जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 122 प्रभात जालोर, बुधवार 7 अगस्त, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर से बांग्लादेश के संकट में पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल पूछा

राहुल ने विदेश मंत्री से भारत की तत्कालिक और दीर्घकालीन रणनीति के बारे में सवाल-जवाब किये

- राहुल गांधी ने यह सवाल भी पूछा विदेश मंत्री से, कि क्या भारत को कुछ पूर्वाभास था, बांग्लादेश के घटनाक्रम के बारे में।
- इन सवालों का विदेश मंत्री के पास एक ही जवाब था कि बांग्लादेश की आंतरिक स्थिति में हर दिन नये-नये परिवर्तन लगातार हो रहे हैं तथा भारत सरकार इन परिवर्तनों को गंभीरता से लगातार देख रही है, विश्लेषण कर रही है, जिससे इस घटनाक्रम के बारे में सही समय पर सही निर्णय ले सके।
- इन ऑल पार्टी मीटिंग में सरकार ने सांसदों को यह जानकारी भी दी कि बांग्लादेश में इस समय बीस हजार भारतीय नागरिक हैं तथा लगभग 8,000 नागरिकों को बांग्लादेश से बाहर निकाला जा चुका है।
- भारत सरकार की ओर से, सांसदों की सर्वदलीय बैठक में यह भी बताया गया है कि शेख हसीना भारत की पुरानी मित्र हैं, अतः भारत सरकार उन्हें तसल्ली से समय दे रही है, ठंडे दिमाग से अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के लिये।
- जैसा कि विदित ही है, शेख हसीना हिण्डौन एयरबेस पर एक सेफ हाउस में भारत सरकार के मेहमान के बतौर रूकी हुई हैं और उनकी सुरक्षा भारतीय वायु सेना की जिम्मेवारी है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस.जयशंकर के समय तीन महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए जिनमें से एक बांग्लादेश में हुए तख्ता पलट में पाकिस्तान की संभावित भूमिका के बारे में है, जिसकी वजह से भारी हिंसा के बीच शेख हसीना को ढाका छोड़कर भारत आना पड़ा था।

सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी ने गत दिनों ढाका में हुए सत्ता परिवर्तन के कूटनीतिक प्रभाव से निपटने की सरकार की शॉर्ट टर्म व लॉन्ग टर्म नीति के बारे में पूछा। मंत्री महोदय ने बताया कि स्थिति तेजी से बदल रही है और सरकार बहुत बारीकी से हालात पर नज़र रखे हुए हैं, ताकि अगला कदम उठा सके।

कांग्रेस ने तो यह भी पूछा कि ढाका में कुछ सप्ताह से जो चल रहा है क्या उसमें विदेशी ताकतों खासकर पाकिस्तान का हाथ हो सकता है जिसकी वजह से हसीना को सत्ता से बेदखल होना पड़ा।

"साजिश" का संकेत दिए जाने पर जयशंकर ने कहा कि इस एंगल की जांच की जा रही है। एक सूत्र ने यह भी बताया कि एक पाकिस्तानी राजनयिक बांग्लादेश में बदलते हालात व हिंसा को दर्शाने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी डी.पी. लगातार बदल रहा था। केन्द्र सरकार ने कहा कि इस बिन्दू की भी जांच की जा रही है।

गांधी ने यह भी पूछा कि क्या नई दिल्ली को बांग्लादेश में घटनाओं के नाटकीय मोड़ लेने का अंदेशा था। इस पर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत घटना पर नज़र रखे हुए है।

कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने घाटी में पड़ोसी देश में चल रहे संकट से निपटने में मोदी सरकार को पूर्ण समर्थन दिया। मीटिंग के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट लिखी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कानून मंत्री ने बेटे की नियुक्ति पर स्पष्टीकरण दिया

जयपुर 6 अगस्त (वि.सं.)। विधानसभा में सोमवार को सरकारी वकीलों की नियुक्ति भारतीय न्याय संहिता की जगह सीआरपीसी से करने और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल के बेटे को ए.ए.जी. बनाने को लेकर भारी हंगामा हुआ। जोगाराम ने सदन स्थगित होने के बाद मीडिया के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि सरकारी वकीलों की नियुक्ति की प्रक्रिया भारतीय न्याय संहिता के क्रियान्वयन से पहले ही शुरू हो चुकी थी। जिला मजिस्ट्रेट के स्तर पर पैनल

- कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मेरा बेटा अपनी योग्यता के आधार पर ए. ए. जी. बना है। पिछली बार भी वह अपनी योग्यता से ए. ए. जी. था और उसे सर्वश्रेष्ठ काम के लिए पुरुस्कार भी मिला है।

सी.आर.पी.सी. के तहत मंगवाए गए थे। हाईकोर्ट और केन्द्र सरकार के फैसले के अनुसार, प्रक्रिया जिन नियमों में शुरू हुई, उन्हीं नियमों में पूरी की जाती है, भले ही नई संहिता आ गई हो, इसलिए सीआरपीसी के तहत नियुक्तियां हुई। पिछली बार, जब मैं मंत्री नहीं था, तब भी मेरा बेटा ए.ए.जी. अपनी योग्यता से बना था। उसे अच्छे काम के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने सेना के नेतृत्व में गठित सरकार को अस्वीकार किया

आम जनता की मांग है कि मोहम्मद यूनुस नई सरकार का नेतृत्व करें

- मोहम्मद यूनुस एक इकॉनमिस्ट हैं तथा नोबेल पुरुस्कार भी पा चुके हैं तथा बांग्लादेश में बड़े सम्मानित व्यक्ति हैं।
- पर, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वे सरकार का नेतृत्व करने के लिये तैयार होंगे या नहीं।
- बांग्लादेश में बिगड़ते हालात व दंगे जैसी स्थिति के कारण भारी संख्या में शरणार्थियों के भारत आने की संभावना है।
- इस संबंध में गृह मंत्री अमित शाह ने विदेश मंत्री जयशंकर व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात करके मंथन किया।
- पाकिस्तान, चीन व अमेरिका, बांग्लादेश की स्थिति को ध्यान से देख रहे हैं तथा भूमिका निभाने के लिए लालायित हैं।
- बांग्लादेश में दंगे भड़कने से कुछ दिन पहले ही अमेरिका के 22 सिनेटरों ने चिट्ठी लिखी थी कि क्यों और कैसे, बांग्लादेश की प्र.मंत्री को हटाने की जरूरत है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। बाँग्लादेश का उपद्रव नरेन्द्र मोदी सरकार के लिये बहुत बड़ा सिरदर्द बन गया है। राजनैतिक विश्लेषक इस बात को लेकर आशंकित हैं कि इसका भारत पर क्या असर होगा। सूत्रों का कहना है कि बाँग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सैन्य-सुरक्षा युक्त एक भवन में हैं। ऐसा लग रहा है कि इंग्लैंड की उन्हें शरण देने में कोई रूचि नहीं है तथा अमेरिका ने तो उनका वीज़ा ही निरस्त कर दिया है।

विदेश मन्त्री एस.जयशंकर ने दिल्ली में एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाई ताकि बाँग्लादेश के घटनाक्रम की जानकारी सबको दी जा सके। मीटिंग के बाद उन्होंने संसद में एक बयान दिया, जिसमें उन्होंने पूरे घटनाक्रम को विस्तार सहित बताने के साथ ही इस पूरे घटनाक्रम में भारत की भूमिका का उल्लेख किया।

विशेष बात यह रही कि प्रधानमंत्री मोदी न तो सर्वदलीय मीटिंग में उपस्थित थे और न वे संसद के किसी सदन में ही दिखाई दिए।

जहाँ तक बाँग्लादेश की हिंसा को लेकर चिन्ताओं का प्रश्न है, सीमा सुरक्षा सम्बन्धी मुद्दे तथा गैरकानूनी रूप से सीमा पर करने का मुद्दा भारतीय सरकार के लिये बहुत बड़ा तथा महत्वपूर्ण बिन्दु बन गये हैं। गृहमन्त्री अमित शाह ने एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एन.एस.ए.) डोभाल के साथ मीटिंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम सभी ईश्वर से दया की प्रार्थना करते हैं और वही प्रार्थना हमे दूसरों पर दया करना सिखाती है। –शेक्सपियर

युवा बने व दिखने की लालसा को भी बाजार ने भुनाया

पिछले हफ्ते यह खबर आई कि भारत में बुढ़ापे की निशानी मानी जाने वाली चेहरे पर झुर्रियों को हटाने का दावा करने वाली क्रीम की बिक्री बढ़ गई है। खबर में कहा गया है कि एंटी एजिंग क्रीम की बिक्री पिछले दो वर्षों में 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 35 प्रतिशत पहुंच गई है। ऐसा लगता है कि लोगों में युवा बने रहने की कोशिश करने का क्रेज़ बढ़ रहा है। वैसे तो चिर युवा बने रहने की लालसा भारत के लोगों में अनंत काल से रही है। सभी सभ्यताओं में युवा को उमंग का प्रतीक माना गया है और बुढ़ापे को तकलीफों की खान। कवियों और शायरों ने भी जवानी का गुणगान और उसके जल्दी बीत जाने पर टेसुए बहाये हैं। फ़िराक़ गोरखपुरी ने कहा 'रात भी नींद भी कहानी भी/ हाए क्या चीज़ है जवानी भी'। ऐसे ही ज़फ़र इक़बाल कहते हैं 'सफ़र पीछे की जानिब है क़दम आगे है मेरा/ मैं बूढ़ा होता जाता हूं जवां होने की ख़ातिर'। जवान बने रहने के लिए बहुत से लोग एंटी एजिंग क्रीम के साथ हैल्थ टिप्स भी लेते है। ऐसी टिप्स देने वालों का बाजार भी इन दिनों खूब गुलज़ार है। देखा जाए तो बुढ़ापा दुनिया भर के लिए चिंता का विषय है। सभी जगह बड़े-बड़े वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ता इस अवस्था से बचने के उपाय खोज रहे हैं। ऐसे रसायन तैयार करने के लिए अनुसंधान चल रहे हैं जिनकी मदद से शरीर में बूढ़ी हो रही कोशिकाओं को फिर से जवान किया जा सके और मौजूदा कोशिकाओं को बूढ़ा होने से रोका जा सके। अपने अनुसंधानों से वैज्ञानिक ना सिर्फ़ इन्सान की उम्र में इज़ाफ़ा होने की उम्मीद कर रहे है, बल्कि वे बहुत सी बीमारियों से लड़ने में भी मदद मिल पाने की आस कर रहे हैं। लेकिन साथ ही यह सवाल भी बना हुआ है कि इन तजुर्बों के बाद अगर कामयाबी मिल भी जाती है तो कितने और साल मनुष्य अपनी उम्र में जोड़ सकेगा? अनुसंधानकर्ताओं की मानें तो 135 साल की उम्र तो कम से कम हर इंसान को मिल जाने की आशा की ही जा सकती है। मगर, ज़िंदगी का अंत तो फिर भी मृत्यु ही है। कोई भी अनुसंधान किसी भी जीव को मृत्यु से नहीं बचा सकता। वर्ष 1971 में आई फिल्म 'आनंद' में मृत्यु के कगार पर खड़ा कैंसर पीड़ित नायक कहता है– **बाबू मोशाय, ज़िंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं।** यह तो अब सभी मानते हैं कि ज़िंदगी छोटी हो या बड़ी वो सेहतमंद, खुशहाल और कामयाब होनी चाहिए। ऐसा होने के लिए बहुत से कारकों में एक है परिवार। भारतीय सभ्यता में परिवारों में बुजुर्गों को बोझ या बाधा के रूप में नहीं देखा गया है। यहां उनका सम्मान होता रहा है। ज्ञान और मार्गदर्शन के लिए उनकी ओर देखा जाता रहा है। जहां युवावस्था और शारीरिक सुंदरता को उम्र के साथ आने वाली बुद्धिमत्ता से ज़्यादा महत्व दिया जाता है उनका नज़रिया अलग है। इसीलिए ऐसे लोग अक्सर बुढ़ापे से लड़ने का विकल्प चुनते हैं और कैसे युवा बने रहें उसके जतन करते हैं।

उम्र बढ़ना अपरिहार्य है। सभी इस सच को भली भांति जानते हैं, फिर भी वृद्धावस्था को स्वीकार करना आसान नहीं होता। इसीलिए अब उम्र के सकारात्मक बढ़ने की बात की जाने लगी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बढ़ती उम्र की अपनी परिभाषा में ही सकारात्मकता को जोड़ा है। उम्र बढ़ने का मतलब है वृद्धावस्था और जीवन के इस कालखंड में स्वस्थ रहना सबसे पहली अपेक्षा होती है, जिसके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन व्यक्ति में सक्षम कार्यात्मक क्षमता को विकसित करने और उसे बनाए रखने की सलाह देता है। महापुरुषों ने जीवन को अपनी-अपनी दृष्टि से देखा है। महावीर की वाणी में बेहतर जीवन के लिए कर्म का सिद्धांत है जबकि बुद्ध का जीवन सिद्धांत करुणा का है। महात्मा गांधी ने सबको सम्मिलित करते हुए सत्य और अहिंसा का विचार दिया। इन सब को एक बेहतर मानवीय समाज बनाने के लिये ऐसा करना पड़ा। अनंत काल से यह सवाल उठता रहा है कि जीवन क्या है, उसका उद्देश्य क्या है? हालांकि बीसवीं सदी के प्रख्यात विचारक अल्बर्ट कामू ने जीवन को निरर्थक (एब्ज़र्ड) बताया। फिर भी आस्थावान लोगों ने यह माना कि छोटे-मोटे दुखों को छोड़ दें, तो जीवन कृतज्ञता है। फिर हम कृतज्ञता को आनंद क्यों नहीं बना लेते? वास्तव में कृतज्ञता के आनंद का भाव जीवन के संध्याकाल की उम्र, जिसे बुढ़ापा कहा जाता है, में ही समझ में आता है। उम्र के साथ बहुत सी चीजें आती हैं। किसी वृद्ध व्यक्ति के लिए उसका अचानक जोर का अट्टहास लगाना भी उसे एक झटका दे सकने वाला हो सकता है। वृद्धावस्था में सलाह दी जाती है कि युवा लोगों वाली तेजी और हड़बड़ी को उन्हें हर कीमत पर टालना चाहिए। बुढ़ापे की उम्र में संज्ञानात्मक गिरावट बहुत डरावनी हो सकती है। खास कर याददास्त कमजोर हो जाने की। किसी को यह पसंद नहीं होगा कि बुढ़ापे में वह ऐसी व्याधियों से घिर जाए कि वह अपने ही परिवार में छिटका हुआ और बोझ बन कर रह जाए। लेकिन जो लोग अपने बुढ़ापे को नकारात्मकता से नहीं लेते वे खुद अपनी हालत पर हंस सकते हैं। वे यह स्वीकार कर लेते हैं कि '**जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहियो**'। सोचने की बात है कि बुढ़ापे में मनुष्य की महत्वाकांक्षाएं बहुत हद तक खत्म हो जाती हैं। इस उम्र में लोग दुनिया को, वह जैसी है वैसी ही, आसानी से स्वीकार करने लगते हैं, भले ही वे उसे रसातल में जाने से बचाने की कोशिश भी करते रहते हैं। इस उम्र में लोग मानवीय कमजोरियोंको स्वीकार ही नहीं करने लगते हैं अपितु अपनी ही ऐसी कमजोरियों पर मुस्करा भी सकते हैं। इस उम्र में जीवन को सहज ही धीमी गति से लिया जाने लगता है।

वर्ष 1971 में आई फिल्म 'आनंद' में मृत्यु के कगार पर खड़ा कैंसर पीड़ित नायक कहता है– बाबू मोशाय, ज़िंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं। यह तो अब सभी मानते हैं कि ज़िंदगी छोटी हो या बड़ी वो सेहतमंद, खुशहाल और कामयाब होनी चाहिए। ऐसा होने के लिए बहुत से कारकों में एक है परिवार। भारतीय सभ्यता में परिवारों में बुजुर्गों को बोझ या बाधा के रूप में नहीं देखा गया है। यहां उनका सम्मान होता रहा है। ज्ञान और मार्गदर्शन के लिए उनकी ओर देखा जाता रहा है।

इस कथन में दम है कि जीवन में धीमे होने का भी आनंद लिया जा सकता है। चीज़ों के पाने के लिए उनके पीछे दौड़ने की अपेक्षा उन्हें निहारने का आनंद क्यों न लिया जाय! वृद्धावस्था में खुशी बहुत झंझोड़ने वाली नहीं होती है। वह पहले जितनी उत्तेजना भी नहीं देती। युवा की खुशी तेज फ़व्वारे की मानिंद फूटती है। छोटी उम्र में खुशी का मतलब एंडोर्फिन होता है जो दर्द की धारणा को अवरुद्ध करने और भलाई की भावनाओं को बढ़ाने वाला रसायन होता हैं जो मानव मस्तिष्क में बनता है। वे दर्द, मांसपेशियों में ऐंठन को रोकते हैं और तनाव से राहत देते हैं। मगर वास्तव में वृद्धावस्था में संतुष्टि ही सबसे बड़ी खुशी होती है। यह समझने की बात होती है कि शांति आराम में है, आराम में खुशी है, और खुशी ही शांति है। वृद्धावस्था में संतुलन बनाना पड़ता है –शरीर का भी और मन का भी। कितना करना है, कितना छोड़ना है। यह भी कि अगर चीज़ें अनुकूल काम नहीं कर रही हैं, तो उस स्थिति को विनम्रता से कैसे स्वीकार करना। इस अवस्था में शरीर और दिमाग़ जितना भी काम करता है उसी में खुश रहना सीखना होता है। दूसरों के प्यार और वफ़ादारी को जानना असल में महान चमत्कार होता है। इस उम्र तक पहुंचने तक लोग न जाने कितने हादसों से गुज़र चुके होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि भले ही गड़बड़ हों, जीवन के आखिरी हफ़्ते अक्सर बहुत मीठे और अनुग्रह से भरे होते हैं। एक समय आता है जब अंततः यह एहसास होता है कि कोई किसी को ठीक नहीं कर सकता, बचा भी नहीं सकता, उन्हें भी जिन्हें हम सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं। आम तौर पर मौतें सौम्य होती हैं। किसी आस्थावान का कहना है कि मृत्यु कमरे के फ़र्श पर सो जाने और अपने बिस्तर पर जागने जैसा है। बुढ़ापे में यह सीखना होता है कि अब जीवन को नया रूप नहीं दिया जा सकता। सकारात्मकता की यह अवस्था व्यक्ति को महसूस करा सकती है कि वह पहले से ज़्यादा हल्का हो गया है। अब इस बारे में क्या सोचना कि दूसरे लोग हमारे बारे में क्या सोचते हैं। ज़रूर, हर बुढ़ापे में भी अच्छा दिखना चाहता है और आकर्षक होना चाहता है। लेकिन बड़ी योजना में इसका उतना मतलब नहीं। कौन परवाह करता है कि अमुक वृद्ध पड़ा रहता है, आलसी है। वह अब गहरे आत्मिक प्रेम में है, जहां संभवतः वह अपने व्यक्तित्व में होता है और वह अपने आलोक में रहता है। युवावस्था में लोग हमेशा उन पौधों को देख-देख कर उत्साहित होते हैं जिन्हें उन्होंने बरसाती मौसम में पथरीली मिट्टी में लगाये थे, जिन पर अब बेहद चमकीले और ताज़े फूल खिलने लगे हैं। लेकिन अब उन्हें पुराने पेड़ों से बहुत कुछ सीखना होता है। जैसे कि पास के कुछ पुराने जामुन के पेड़ से। वे हर साल रसीले फल देने के लिए फूलों से लड़ जाते हैं। यह काम वे साल-दर-साल करते बूढ़े भी हो जाते हैं। पेड़ जब बूढ़े हो जाते हैं तब उन्हें अपनी झुर्रीदार छाल पर मेकअप लगाने की ज़रूरत नहीं होती है। उनके फूल और फल ज़मीन पर गिर जाते हैं। किसी वृक्ष के नीचे बिखरे पड़े मुरझा रहे फूलों की सुंदरता से भी सीखा जा सकता है। वे कह रहे होते हैं जीवन की इस चरम अवस्था में सभी भाव यदि रस के रूप में परिवर्तित हो कर आनंदमय हो जायें तो बुढ़ापा कृतज्ञतापूर्वक आनंदमय हो जाता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

जैसलमेर में भारी बरसात से विश्व विख्यात लिविंग फ़ोर्ट के बुर्ज की दीवार गिरी

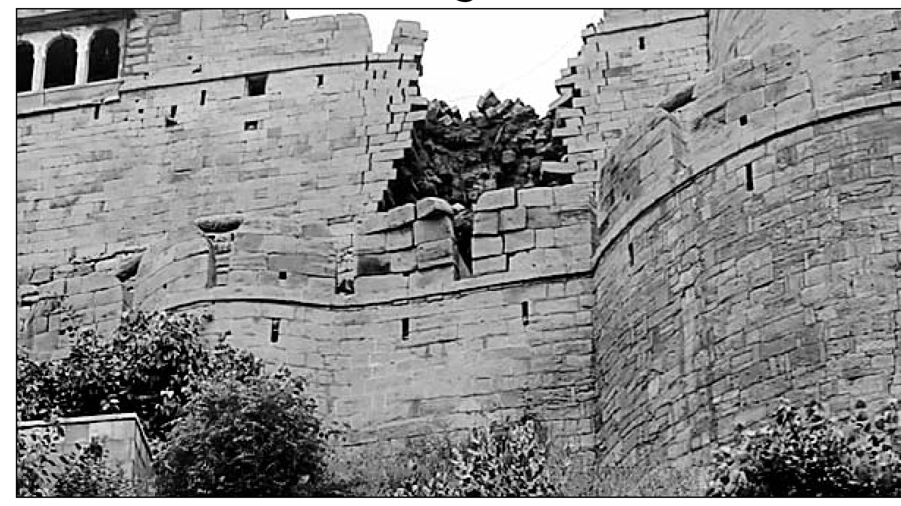

विश्व विख्यात लिविंग फोर्ट के बुर्ज की दीवार बरसात का पानी जाने से गिर गई।

- दीवार के बड़े-बड़े पत्थर परकोटे के ऊपर गिर गए, इस दौरान सड़क पर कोई ट्रॉफिक नहीं था
- जैसलमेर दुर्ग दुनिया का एक मात्र रहवासी किला है, पुराने शहर की लगभग एक चौथाई आबादी अभी भी किले के भीतर रहती है

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में पिछले तीन दिन से हो रही भारी बारिश से 99 बुर्जों वाले विश्व विख्यात सोनार किले के एक बुर्ज की दीवार ढह गई। मंगलवार को दिन में शिव रोड की तरफ की सोनार दुर्ग के बुर्ज की दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार के बड़े-बड़े पत्थर परकोटे के ऊपर गिर गए। बारिश के दौरान बुर्ज के पत्थर गिरने के दौरान सड़क पर कोई ट्रॉफिक नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा भी हो सकता था। सोनार दुर्ग के बुर्ज की दीवार गिरने की जानकारी मिलने पर नगर परिषद आयुक्त लजपालसिंह और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सड़क के दोनों तरफ बैरिकेड लगाकर उसको बंद कर दिया। आगे कोई हादसा ना हो इसका ध्यान रखते हुए नगर परिषद ने अपनी टीम को अलर्ट कर दिया।

शहर के वरिष्ठ नागरीक परमानंद ने बताया कि 23 वर्ष पूर्व भी सोनार दुर्ग की दीवार गिरी थी, जिसमें एक इंसान की पत्थरों के नीचे दबकर मौत हो गई थी। इस दौरान पुरातत्व विभाग द्वारा कई बार परकोटे की दीवार की रिपेयरिंग भी करवाई है। परन्तु रहवासी दुर्ग के स्वरूप को बदल दिए जाने नये निर्माण पहुंच वालों द्वारा बनवा लिए जाने से खतरा दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। न्यायालय की रोक के बाद भी कलेक्टर की सख़्ती नहीं होने से सब चल रहा है। पूर्व में 2011 में तात्कालीन जिला कलेक्टर गिरिराजसिंह कुशवाहा द्वारा किले के कोटड़ी पाड़ा के पांच घरों से दीवार में पानी जाने की जानकारी मिलने पर पांचों परिवारों को सांवल कॉलोनी में निशुल्क भूखंड दिलवाकर पांचों घर खाली करवा दिए गए थे। कुशवाहा का तबादला होने के बाद वो पांचों परिवार वापस आकर कोटड़ी पाड़ा में रहने लगे हैं तथा निशुल्क भूखंडों पर भी कब्ज़ा कर लिया है। प्रशासन पर इतना ज्यादा दबाव है कि वे कोई कार्यवाही करने की हिम्मत ही नही जुटा पा रहे हैं। जानकारी के अनुसार जैसलमेर दुर्ग दुनिया का एक मात्र रहवासी किला है। पुराने शहर की लगभग एक चौथाई आबादी अभी भी किले के भीतर रहती है। किले में नगरपरिषद के दो वार्ड हैं, जहां से पार्षद चुने जाते है। जैसलमेर किला राजस्थान का दूसरा सबसे पुराना किला है, जिसे 1156 ई. में रावल (शासक) जैसल ने बनवाया था, जिनके नाम पर इसका नाम पड़ा। किले की विशाल पीले बलुआ पत्थर की दीवारें दिन के समय गहरे भूरे शेर के रंग की होती हैं, जो सूरज ढलने के साथ शहद-सुनहरे रंग में बदल जाती हैं, जिससे किला पीले रेगिस्तान में छिप जाता है। इस कारण इसे स्वर्ण दुर्ग, सोनार किला या गोल्डन फोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। जैसलमेर किले को राजस्थान के पांच अन्य किलों के साथ, राजस्थान के पहाड़ी किलों के समूह के तहत यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

केदारनाथ में लैंडस्लाइड में फंसे अजमेर के 13 युवक सकुशल पहुंचे

एनडीआरएफ व एसडीआरएफ के जवानों की मदद से युवकों को हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला था

केदारनाथ से अजमेर लौटने वाली टीम के सदस्य।

अजमेर, (कासं)। केदारनाथ में भारी बारिश, लैंडस्लाइड और बादल फटने के बाद अजमेर के 13 युवक फंस गए थे। चार दिन तक फंसे रहने के बाद स्थानीय प्रशासन ने एनडीआरएफ व एसडीआरएफ के जवानों की मदद से युवकों को हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। अजमेर के सुखाड़िया नगर निवासी सभी 13 दोस्त मंगलवार को केदारनाथ यात्रा से सकुशल अजमेर लौट आए। युवकों के घर आने पर परिजन, रिश्तेदारों व दोस्तें ने राहत की सांस ली। सभी युवकों ने परिजन के साथ मंदिर में पूजा- अर्चना कर ईश्वर का आभार जताया।

युवकों ने बयां किए चार दिन के खौफनाक मंजर:-मंगलवार को सभी 13 दोस्त भरत, उदानिया, राहुल, शेखर, सौरभ, दीपक, विक्की, धीरज, जतिन, अनुराग, प्रकाश व ऋतिक प्राइवेट बस के जरिए अजमेर पहुंचे। अजमेर पहुंचने के बाद परिवार वालों ने राहत की सांस ली। इसके साथ ही परिजन, समाज के लोगों, स्थानीय नागरिकों, दोस्तों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। सुखाड़िया नगर निवासी भरत उदानिया ने बताया कि वह और उसके 12 दोस्त अजमेर के सुखाड़िया नगर गली नंबर 2 के निवासी हैं। 29 जुलाई को सभी दोस्त केदारनाथ यात्रा के लिए अजमेर से निकले थे, 31 जुलाई को वहां पर पहुंचे, दोपहर में सभी ने पैदल यात्रा केदारनाथ के लिए शुरू कर दी थी। शाम सात बजे के करीब तेज बरसात और पानी का बहाव शुरू हो चुका था। जिसके कारण उन्होंने कुछ किलोमिटर चलने के बाद एक दुकान पर रुके थे। भरत ने बताया दुकान के पीछे की तरफ अचानक तेज धमाके के साथ बादल फटा, जिससे सभी डर गए। अनुराग ने बताया कि बादल फटने के बाद चट्टानें गिरने लगी थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बादल फटने की वह आवाज थी। पानी के तेज बचाव के चलते लैंडस्लाइड होना शुरू हो गई थी। सभी अपने आपको बचाने के लिए भागना शुरू हो गए, अपने आप को बचाते हुए आगे बढ़ कुछ किलोमीटर चलने के बाद एक दुकान पर जाकर राहत की सांस ली। भरत ने बताया कि करीब सात-आठ किलोमीटर ऊपर आ चुके थे, मंदिर के बीचों-बीच में फंस चुके थे। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्होंने रहने की व्यवस्था की थी। अनुराग ने बताया कि चार दिनों तक वह पहाड़ियों में फंसे रहे। पहले दिन उन्होंने अपने खर्चे पर ही रहने खाने पीने की व्यवस्था की थी। उसके बाद उनके पास पैसे और खाने-पीने का सामान खत्म होने पर स्थानीय प्रशासन द्वारा मदद की गई। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों ने हेलीकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू किया और सिरसा हेलीपैड पर लैंड करवाया। 5 अगस्त को वह नीचे उतर चुके थे। काफी मुश्किलों से हमने हमारी जान बचाई है। अगर हमारा जल्द रेस्क्यू नहीं हुआ होता तो हम मुश्किलों में पड़ जाते। नेटवर्क नहीं होने के कारण परिवार से भी संपर्क नहीं हो पा रहा था।

सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य प्रतापगढ़ में दूध छाता मशरुम की नई प्रजाति मिली

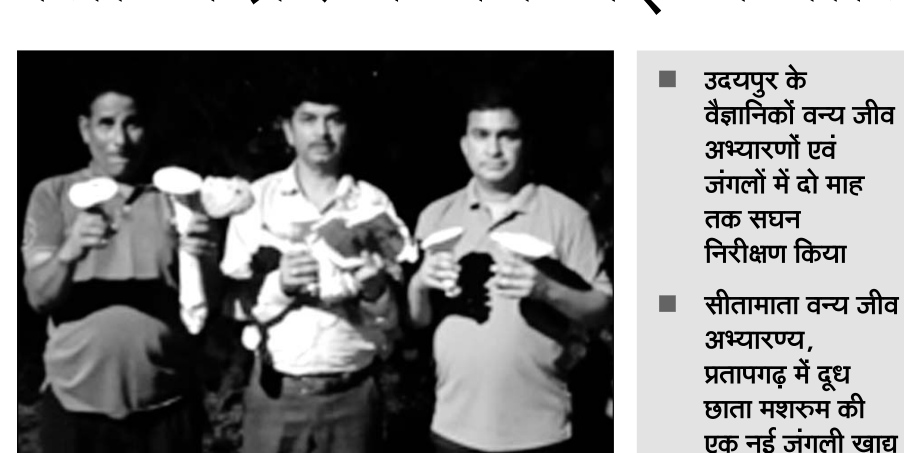

खाद्य दूध छाता मशरुम (केलोसाइबे इंडिका) की नई जंगली प्रजाति की खोज करने वाली टीम।

- उदयपुर के वैज्ञानिकों वन्य जीव अभ्यारणों एवं जंगलों में दो माह तक सघन निरीक्षण किया
- सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य, प्रतापगढ़ में दूध छाता मशरुम की एक नई जंगली खाद्य प्रजाति मिली

उदयपुर, (कासं)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के मशरुम अनुसंधान निदेशालय चम्बाघाट के वडा सोलन (हिमाचल प्रदेश) के द्वारा संचालित अखिल भारतीय समन्वित मशरुम अनुसंधान परियोजना, उदयपुर के वैज्ञानिकों ने राजस्थान के विभिन्न वन्य जीव अभ्यारण्यों एवं जंगलों में खाद्य एवं औषधीय मशरुम की विविधता का अध्ययन करने के लिए माह जुलाई-अगस्त में सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अभी तक कुल 64 मशरुम प्रजातियों का संग्रहण किया है। निरीक्षण प्रमुख रूप से फुलवारी की नाल, फलासिया-कोटड़ा की नाल, सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य-प्रतापगढ़, गोगुन्दा, सांडोल माता झाडोलाव झल्लारा, सलूम्बर के जंगलों का किया गया।

अखिल भारतीय समन्वित मशरुम अनुसन्धान परियोजना उदयपुर के प्रभारी व सह आचार्य डॉ. नारायण लाल मीना ने बताया कि दक्षिण राजस्थान के जंगलों में मशरुम की प्रजातियों में काफी विविधता पाई जाती है, क्योंकि इन जंगलों में वनस्पति की प्रजातियों में भी काफी विवधता पाई जाती है। इस कारण मशरुम की प्रजातियों की सर्वाधिक विविधता फुलवारी की नाल, फलासिया-कोटड़ा में मिली। क्योंकि फुलवारी की नाल वनस्पति की विविधता का प्रमुख क्षेत्र है। सघन निरीक्षण के दौरान सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य, प्रतापगढ़ में दूध छाता मशरुम (केलोसाइबे इंडिका) की एक नई जंगली खाद्य प्रजाति मिली जो खेती की जाने वाली दूध छाता मशरुम से भिन्न प्रकार की है।

इस मशरुम की कैप का परिमाप 30 गुना 28 सेमी, आकार-गोलाकार, रंग -दूध जैसा सफेद, तने की लम्बाई 23-25 सेंटीमीटर तथा एक फ्रूट बॉडी का वजन 2 से 2.25 किलोग्राम दर्ज किया गया जो कि दूध छाता मशरुम की फ्रुट बॉडी का सर्वाधिक वजन है। यहां ऐसे प्रकार की प्रजाति है जिसका उत्तक संवर्धन मशरुम प्रयोगशाला, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर में करके आगे खेती करने की तकनीक विकसित करने का अनुसंधान किया जायेगा। इस प्रजाति की खोज करने वाली टीम में परियोजना प्रभारी डॉ. नारायण लाल मीना के आलावा डॉ. सुरेश कुमार, अविनाश कुमार नागदा व किशन सिंह राजपूत आदि थे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 7 अगस्त, 2024

सावन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 8:30 तक, परिद्य योग दिन 11:41 तक, तैतिल करण प्रातः 8:59 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:15 पर कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग रात्रि 8:30 तक है। रवियोग रात्रि 8:30 से आरम्भ होगा। आज मधु श्रदा तीज, मेला तीज जयपुर में, लघु तृतीय व्रत है। आज से सकट 2 मु.मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:15 तक, शुभ 10:54 से 12:32 तक, चर 3:50 से 5:28 तक, लाभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:07

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा और सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

तुला
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है।

बाड़मेर की पेयजल आपूर्ति की तीन मांगों पर मिली स्वीकृति

बाड़मेर, (नि.सं.)। बाडमेर शहर, सेना, सीमा सुरक्षा बल और ग्रामीण इलाकों में नियमित पेयजल वितरण और पेयजल की मांग को लेकर आ रही तीन बड़ी परेशानियों के स्थायी समाधान की राह अब निकल गई हैं।

बाड़मेर में पेयजल वितरण के सुधार अब तक सबसे बड़े व्यवधान के रूप में आ रहे तीन बड़े मामलों पर जल्द राहत मिलने के साथ हजारों परिवारों, सेना और सीमा सुरक्षा बल को निर्बाध पेयजल उपलब्ध होगा। इसके लिए विभिन्न स्तरों से पत्राचार लंबे समय से किया जा रहा था। विभिन्न बैठकों में भी अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। इन तीन समस्याओं में पहली समस्या बाड़मेर लिफ्ट पेयजल परियोजना के मोहनगढ़ पम्प हाउस पर आवश्यकता अनुरूप वोल्टेज नही होने के कारण सभी पंप नही चल पाने की ह।

जिसके चलते पानी वर्तमान मांग 125 एमएलडी की जगह 105 एमएलडी ही मिल पाता है और शहर और ग्रामीण क्षेत्रो में जलापूर्ति पूरी तरीके से नही हो पाती।

दूसरी बाड़मेर के कुम्हारों की ढाणी में तत्कालीन डिजाइन डिमांड अनुसार 26 एमएल क्षमता का स्वच्छ जलाशय दो भागों में विभाजित का निर्मित किया गया था। जिसका एक भाग 13 एमएल क्षमता बीते लंबे समय से क्षितठास्त अवस्था में होने के कारण अनुपयोगी है। जिसके कारण विद्युत व्यवधान होने पर परियोजना की राइजिंग लाइन खाली हो जाने के कारण कुछ घण्टे के व्याधान को पुनः चालू करने में 16 से 18 घण्टे लग जाते थे। इस क्षितठास्त जलाशय के मरम्मत और नव निर्माण की मांग की गई थी।

वही कुम्हारों की ढाणी में स्थित 26 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय से ठोविटी से बाड़मेर शहर के सर्किट हाउस के पीछे जीरो पॉइंट स्थित 17 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय जलापूर्ति होती है।

मोहनगढ़ पंप हाउस पर आवश्यक अनुरूप वोल्टेज नहीं मिलने के कारण बार-बार विद्युत ट्रिपिंग एवं विद्युत फाल्ट होने के कारण जीरो पॉइंट स्थित उच्च जलाशय की मांग अनुसार जल प्राप्त नही होता है। इस वजह से बाड़मेर शहर बाड़मेर लिफ्ट पेयजल परियोजना पार्ट अ,ब,स में लाभान्वित गांव की मांग के अनुसार पंपिंग नहीं हो पता है।

तृतीय मांग में एक दिन की पेयजल मांग 50 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय की आवश्यकता बताई थी।

बाड़मेर शहर एवं परियोजना से जुड़े गांवों में नियमित मांग अनुरूप जलापूर्ति के लिए मोहनगढ़ पंप हाउस पर वोल्टेज सुधार के लिए वोल्टेज रेगुलेटर संबंधित मुख्य अभियंता जयपुर को प्रेषित प्रस्ताव की स्वीकृति को लेकर शासन सचिव के स्तर से निर्देश जारी करने और बाद में लिफ्ट परियोजना जीरो पॉइंट पर 50 एमएल क्षमता के शुद्ध जलाशय की स्वीकृति प्रदान करने के लिए मांग की थी।

पिछले महीने बाड़मेर के प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभाग द्वारा इन तीन मांगो के बारे में बताने पर प्रभारी सचिव के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर बाड़मेर द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव को एक पत्र लिखा गया था।

जिला कलेक्टर के इस पत्र को शासन सचिव ने बेहद गम्भीरता से लेते हुए मुख्य अभियंता परियोजना को पत्र लिखकर मांगो को पूरा करने के लिए कहा गया जिस पर मुख्य अभियंता ने मोहनगढ़ में वोल्टेज की समस्या के निराकरण के लिए दोनो पम्प हाउस पर 33 के वी वोल्टेज स्टेबिलाइजर लगाने के लिए रुपए 3.50 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है।

कुम्हारों की ढाणी के क्षतिग्रस्त उच्च जलाशय के लिए निर्माण कर्ता कम्पनी एल एंड टी को निर्देशित किया गया है और उसकी टीम ने जलाशय का दौरा किया।

वही बाड़मेर में वर्तमान में 17 एम एल क्षमता का स्वच्छ जलाशय निर्मित है जोकि बाड़मेर में आधे दिन जल की मांग के अनुरूप है। उसकी जगह बाड़मेर में कम से कम दो दिन की मांग क्षमता का जलाशय निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाने जा आंकलन किया जा रहा है। इन तीनो गम्भीर मांगो की पूर्ति के बाद बाड़मेर शहर में पेयजल की समस्या से पूर्णतया मुक्ति मिल जाएगी।

मजदूरों की मौत मामले में फैक्ट्री संचालकों पर मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। बोरानाड़ा क्षेत्र में बारिश के दौरान दीवार ढहने से तीन मजदूरों की मौत के मामले में दो फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इधर घायल श्रमिकों का इलाज एम्स जारी है।

डीसीपी पश्चिम राजेश यादव ने बताया कि बोरानाड़ा में हुए हादसे में सुनीता पत्नी दिनेश, नंदू पुत्र मोती मीणा व अंजू पत्नी संजय मीणा की मौत हो गई थी। इस मामले में बोरानाड़ा पुलिस ने न्यू महालक्ष्मी आर्ट व मुकेश टिम्बर आर्ट के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि सोमवार सुबह बोरानाड़ा क्षेत्र में संचालित होने वाली न्यू महालक्ष्मी टिम्बर आर्ट फैक्ट्री के पीछे की दीवार बारिश के कारण ढह गई थी। इस दीवार के सहारे ही पास की बुरादा फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों ने अपनी झोपड़ियां बना रखी थी, जो दीवार के मलबे में दब गई। इन झोपड़ियों में सो रहे 13 मजदूर गंभीर घायल हो गए थे। इनमें से दो महिला सहित तीन मजदूरों की मौत हो गई थी। वहीं नौ मजदूरों को घायल हालत में हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था।

आदेश के एक साल बाद भी दिव्यांग को नियुक्ति नहीं देने पर हाइकोर्ट गंभीर

जोधपुर, (कासं)। आदेश के एक साल बाद भी दिव्यांग को नियुक्ति नहीं देने पर हाइकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाते हुए चार सितंबर तक नियुक्ति नहीं देने पर कॉलेज शिक्षा राजस्थान के आयुक्त को व्यक्तिगत कोर्ट में हाजिर रहने के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा कॉलेज शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य (अर्थशास्त्र) के विज्ञापित पदों के विरुद्ध श्रवण बाधित श्रेणी विशेष योग्यजन दिव्यांग हेतू आरक्षित एक पद के लिए अंतिम रुप से चयनित याची सत्यरंजन का नाम आरपीएससी ने कॉलेज शिक्षा विभाग को नियुक्ति हेतू भेज देने के बावजूद नियुक्ति नहीं देने पर राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में चुनौती दी गई थी।

एकल पीठ ने मई 2023 में रिट याचिका स्वीकार करते हुए आदेश दिया था कि निदेशालय कॉलेज शिक्षा विभाग जयपुर के आयुक्त याचिकाकर्ता को एक दिसंबर 2022 से समस्त नोशनल परिलाभ सहित चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति दें।

राज्य सरकार ने दिव्यांग याची को सिर्फ इस आधार पर आरक्षण का लाभ देने से इनकार कर दिया था कि वह कर्नाटक राज्य का रहने वाला है।

एकलपीठ के समक्ष राज्य सरकार की दलील यह रही कि राजस्थान राज्य से बाहर के दिव्यांग को आरक्षित पदों के विरुद्ध नियुक्ति दे देने से भारी अन्याय हो जाएगा तथा दिव्यांग का आरक्षण वर्टीकल (लम्बवत) आरक्षण होने से जाति आधारित आरक्षण के सिद्धांत इसपर लागू होंगे।

याची के अधिवक्ता अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने बताया कि दिव्यांग को प्रदत्त आरक्षण एक सामाजिक उत्थान के रूप में कल्याणकारी कानून अंतर्गत दिया जा रहा क्षैतिज आरक्षण है और राज्य सरकार की ओर से इसे वर्टीकल आरक्षण माना जाना ही गैरक़ानूनी हैं।

जाति आधारित आरक्षण में व्यक्ति का निवास स्थान महत्वपूर्ण होता है लेकिन दिव्यांग को दिए जाने वाले आरक्षण में जाति या समाज का कोई महत्व नहीं होता है। सरकार का कृत्य विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 के मूल उद्देश्य और प्रस्तावना के ही प्रतिकूल है। न्यायाधीश विनित कुमार माथुर ने रिट याचिका स्वीकार कर चार सप्ताह में नियुक्ति देने के आदेश दिए थे।

समान प्रकरण में राजस्थान हाइकोर्ट की खण्डपीठ द्वारा राज्य सरकार की अपील दस हजार रुपए की कॉस्ट के साथ ख़ारिज कर देने के बावजूद आज दिन तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं करने पर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने इसे गंभीर मानते हुए अगली सुनवाई तिथि तक याचिकाकर्ता को सहायक प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) पद पर नियुक्ति नहीं देने की स्थिति में आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान सरकार जयपुर को न्यायालय के समक्ष व्यक्तिशः उपस्थित रहने के निर्देश दिए। आगामी सुनवाई चार सितंबर को होगी।

रेवदर में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर चर्चा की

रेवदर, (नि.सं.)। रेवदर में 15 अगस्त को उपखण्ड स्तर पर 78 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व तैयारी हेतु बैठक का आयोजन विकास अधिकारी आवडदान चारण द्वारा किया गया

बैठक में सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित हुए जिनमें नायब तहसीलदार पुखराज रावल, एसीबीईओं पुनमसिंह सोलंकी, राउमावि रेवदर प्राचार्य ओमप्रकाश शर्मा, सहायक अभियंता सा.नि.वि. अर्जुन देवासी, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, व जनप्रतिनिधि अजबाराम रेवदर सरपंच भी उपस्थित हुए जिसमें सभी विभागों को अलग-अलग कार्यों की जिम्मेदारी दी गई। उपखण्ड कार्यालय में प्रातः 8:00 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। एवं पैवेलियन में 8:30 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। आयोजन का मुख्य स्थल राउमावि रेवदर का खेल मैदान है तथा वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए स्थान का बदलाव भी किया जा सकता है जो राउमावि रेवदर के विद्यालय परिसर में रखा जायेगा। सभी विभागों से उत्कृष्ट कार्मिकों की सूची मांगी गई जिनका राजकीय व अन्य कार्यों में सराहनीय योगदान रहा हो, जिनकों उपखण्ड स्तर पर सम्मानित किया जाना है। जिसकी अंतिम तिथि उपखण्ड कार्यालय में देने की 12अगस्त रखी गयी है। सभी अधिकारियों को सौंपे गये कार्यों की रिपोर्ट उपखण्ड अधिकारी द्वारा 14 अगस्त को जांची जायेगी।

जनकपुरी में जानकी माता के दर्शन किये

माहेश्वरी महिला मण्डल अध्यक्ष निर्मला सत्यनारायण सूदा के संयोजन में 86 सदस्यों ने नेपाल में जनक की नगरी जनकपुरी में माता सीता व अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन किये। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। माहेश्वरी महिला मण्डल अध्यक्ष निर्मला सत्यनारायण सूदा के संयोजन में 86 सदस्यों ने नेपाल में जनक की नगरी जनकपुरी में माता सीता व अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन किये।

पुष्पा रमेश चांडक से मिली जानकारी के अनुसार सीता मिथिला के नरेश राजा जनक की ज्येष्ठ पुत्री और जनकपुर (नेपाल) की राजकुमारी थीं जो नेपाल और भारत दोनों देश की मिथिला राज्यो पर राज करते थे। इनका विवाह अयोध्या के नरेश राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र श्री राम से स्वयंवर में शिवधनुष को भंग करने के उपरांत हुआ था।यात्रा में शामिल कपिल झंवर द्वारा मिली जानकारी के अनुसार जैसेलमेरिया माहेश्वरी समाज के अहमदाबाद, सूरत एवं जैसलमेर के महिला पुरुषों में छप्पनी घनश्याम केला, मीना जयप्रकाश चांडक, रानी राधेश्याम मालपानी, हरिवल्लभ घूरका, किशोरीलाल झंवर, मदनलाल मल, राधेश्याम राठी, कमलकिशोर सूदा, आनन्द चांडक, त्रिलोक भूतड़ा, जेठमल भूतड़ा सभी सप्तनिक दर्शन यात्रा का लाभ ले रहे हैं 14 दिवसीय यात्रा में इंदु सांवल, सुधा शामिल हैं।

ज्ञात रहे कि प्राचीन काल में राजा जनक के राज्य मिथिलांचल की राजधानी जनकपुर थी, तब सीतामढ़ी भी मिथिलांचल का अंग था। मां सीता का जन्म सीतामढ़ी,बिहार में हुआ और जन्म के पश्चात उन्हें जनकपुर स्थित महल लाया गया। महल आगे चलकर नौलखा मंदिर जानकी मंदिर के नाम से जाना गया।

दर्शनार्थियों का अगला पड़ाव झारखंड का ज्योतिर्लिंग बैजनाथ एवं बिहार का तीर्थ गया होगा।

सैन्य जवान के मकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान स्थित ओमनगर में एक सैन्य जवान के मकान में अज्ञात चोरों ने सैंध लगाकर वहां से 9 तोला सोना, 5 तोला चांदी के साथ 15 हजार की नगदी चोरी कर ले गए।

सैन्य जवान छुट्टियों पर घर आया तो पता लगा। जेवरात उसने अपनी भतीजी की शादी के लिए रखे हुए थे। माता का थान पुलिस जांच कर रही है।

माता का थान पुलिस ने बताया कि मूलतः पीपाड़शहर के खारिया खंगार हाल ओमनगर माता का थान निवासी हुकमसिंह पुत्र मदन सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह भारतीय सेना में कार्यरत है। वह छुट्टियों पर अपने घर आया था। तब पता लगा कि घर के ताले टूटे पड़े है, सामान बिखरा होने के साथ वहां रखे 9 तोला सोने एवं 5 तोला चांदी के जेवरात और 15 हजार की नगदी गायब है। अज्ञात चोरों ने सैंध लगाकर वहां से चोरी की है।

रिपोर्ट में बताया कि जेवरात उसने अपनी भतीजी की शादी के लिए रखे हुए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब चोरों की तलाश आरंभ की है।

जोधपुर संभाग में सावन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। महादेव मंदिर में फलों से सजावट ी झांकी सजाई।

पुलिस के हाथ लगे मादक पदार्थ तस्कर

जोधपुर, (कासं)। कमिश्ररेट की साइबर थाना पुलिस महाराष्ट्र में हुई ठगी एवं आईटी एक्ट के प्रकरण में एक मुल्जिम की तलाश में मंडोर के आंगणवा आवासीय योजना की तरफ गई। तब गेट से घुसते समय एक बाइक पर दो संदिग्ध युवको को बाहर निकलते देखा। युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। उन्हें पकड़ा गया और उनके पास रखे दो बैग की तलाशी ली गई। एक बैग में अफीम का दूध, 2.14 लाख रूपए और दूसरे बैग में 18 एटीएम कार्ड, 4 पेन कार्ड और दो आधार मिले। इस पर बाद में दोनों को मंडोर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इनके खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर लिया गया।

संदेह है कि एक आरोपी बड़ा फ्राडेस्टर हो सकता है। फिलहाल पुलिस इस बारे में तस्दीक में जुटी है। साइबर थानाधिकारी दिनेश डांगी को मुखबिरी सूचना मिली कि महाराष्ट्र के नागोठने रायगढ़ में हुई ठगी एवं आईटी एक्ट का एक आरोपी मंडोर क्षेत्र में आया हुआ है।

दो वाहनों में भरी अवैध शराब बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

सायला,(नि.सं.)। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम एवं तस्करों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के एएसपी रामेश्वरलाल एवं वृताधिकारी गौतम जैन के सुपरविजन में सायला थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा सरहद दहिवा में भारतमाला पर नाकाबंदी के दौरान दो वाहनों में भरी हुई पंजाब निर्मित 101 कार्टन अवैध शराब जब्त की गई तथा मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। बरामद अवैध शराब की अनुमानित बाजार कीमत 8 लाख रूपये है।

पुलिस के अनुसार थानाक्षेत्र के सांगाणा टोलनाका सरहद दहिवा में भारतमाला पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान कीया गाडी में भरी हुई 55 कार्टुन अवैध शराब व बीयर का परिवहन करते हुए 02 आरोपी गिरफ्तार किए गए एवं होण्डा सीटी कार नम्बर एचआर में अवैध रूप से परिवहन की जा रही 46 कार्टन अवैध शराब व बीयर जब्त कर 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

गौरतलब है कि गत 21 जुलाई 2024 को थाना सायला पर वाहन संख्या जेटा कार से पंजाब निर्मित अवैध शराब जब्त की गई थी। जिसके अनुसंधान में यह शराब नरेश कुमार पुत्र गजानन्द जाति जाट निवासी बिजाणा तोसम जिला भिवानी हरियाणा द्वारा परिवहन करना पाया गया था। जिस पर पुलिस अधीक्षक जालोर द्वारा आरोपी की दस्तयाबी एवं अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही के लिए सायला थानाधिकारी रामेश्वर भाटी मय टीम के भिवानी, पंजाब, हरियाणा की तरफ भेजा गया। पुलिस टीम को तकनीकी सहायता से सूचना मिली कि वांछित आरोपी नरेश कुमार अवैध शराब लेकर गुजरात की तरफ जा रहा है। जिस पर नाकाबन्दी की कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

टीम में थानाधिकारी रामेश्वर भाटी, हेड कांस्टेबल गोपालसिंह, कालुदान, कांस्टेबल चन्द्रप्रकाश, प्रकाश बुरडक, कपिल कुमार, महेश, धर्मपाल बुरडक, आरटी कांस्टेबल शेरसिंह, संदीप कुमार रहे। अन्य टीम में कांस्टेबल नारायणराम व 2. मुकेश कुमार डीएसटी टीम बालोतरा तथा तकनीकी सहायता टीम में कांस्टेबल किशनलाल तकनीकी सहायक साईबर सेल जालोर शामिल रहे।

बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया

पोकरण, (नि.सं.)। पोकरण क्षेत्र मे भारी बारिश और अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्र का मंगलवार को लगातार दूसरे दिन जिला कलेक्टर प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी व पोकरण उपखण्ड अधिकारी ने भ्रमण कर विस्तृत जायजा लिया और प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने को युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर सिंह पुलिस अधीक्षक चौधरी के साथ मंगलवार को सुबह जिले के भणियाणा उपखंड मुख्यालय पहुंचे। वहा उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित भणियाणा, फुलासर आदि इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व, पंचायत और पुलिस विभागों को सयुक्त रूप से युद्ध स्तर पर कार्य करने की हिदायत दी और पानी की निकासी समेत राहत कार्य त्वरित गति से अंजाम देने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभावित लोगो को मुआवजे के लिए अविलंब प्रस्ताव भेजने को कहा।

जिला कलेक्टर सिंह ने स्थानीय ग्राम पंचायतों को पानी निकासी के लिए जेसीबी, टैक्टर, मोटर पंप आदि आवश्यकता के अनुसार लगाने को कहा। साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग को क्षितठास्तों सडको की मरमत करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने अतिवृष्टि से प्रभावित पानी बिजली की क्षितठास्त लाइनों के कार्यों को भी युद्ध स्तर पर पूर्ण कर आवश्यक सेवाएं तुरंत बहाल करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, उपखंड अधिकारी प्रभजोत सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वही पोकरण शहर सहित आसपास के क्षेत्र में बरसात लगभग 200 एम एम होने पर विधुत वितरण निगम कार्यालय परिसर एवं शहर के मुख्य जल स्त्रोत बंदोलाई तालाब, सालम सागर तालाब, रामदेवरसर तालाबो में बरसाती पानी कि अच्छी आवक होने से तालाब व नाडीया लबालब भर गये।

वही रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर बना पुलिया ढहा जिससे शहर व रेलवे स्टेशन जाने का रास्ता प्रशासन को बन्द करना पडा।वही रामदेवरा व सालम सागर तालाब का पहली बरसात में घाट टूट गया। वही लोहारकी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 137भेडे मर गई। वही जोघपुर सड़क व भणियाणा रोड घुटने से आवागमन बाधित हुआ।

गड्ढों में पानी से वाहन चालक व राहगीर परेशान

धोरीमना, (नि.सं.)। धोरीमना क्षेत्र के सुबह से लेकर शाम तक मूसलधार अच्छी बारिश हुई किसानों के चेहरे पर खुशियां देखी गई।

धोरीमना क्षेत्र के किसानों से मिल रही जानकारी के अनुसार पूरा क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई है। कोई माल जनहानि ऐसा कुछ नहीं हुई। किसानों ने बताया कि अच्छे जमाने का संकेत मिल रहा है। अच्छी बारिश से अरंडी गवार मोठ मूंग बाजार अच्छी पैदावार होने की संभावना है। किसानों ने कहा कि कुएं के जल स्तर भी बढ़ेंगे। जहां पानी पीने के लिए नहीं है। वहां घरों बने टांकों के अंदर पानी भी इकट्ठे हो गए पानी की समस्या का भी समाधान हुआ। धोरीमना मुख्य चौराहे पर चारों तरफ पानी पानी हो गया। सड़क गड्ढों में तब्दील है। आमजन व राहगीर परेशान हैं।

चोरों ने प्रवासियों के घरों को बनाया निशाना

रेवदर , (नि.सं.)। सोमवार रात को रेवदर के सेलवाड़ा और भटाणा गांव में चोरों ने कई घरों को निशाना बनाया। इनमें से अधिकतर घर प्रवासियों के हैं, जो अपने व्यवसाय को लेकर अन्य राज्यों में रहते हैं। रेवदर थाना क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह में निम्बज में 4 घरों, वड़वज में एक मंदिर, रेवदर में एक घर, दादरला में दिनदहाड़े, धाण में चोरी की घटनाएं सामने आई है। वहीं सोमवार को एक साथ दो गांवों में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर चोरी की वारदात हुई।

रेवदर थाने के हेड कॉन्स्टेबल रफीक मोहम्मद ने बताया कि सेलवाडा गांव में सोमवार रात को 5 घरों और एक पास ही के कमरे में सो रहे थे। वहीं अन्य घरों के लोग अपने व्यवसाय को लेकर अन्य राज्यों में रहते हैं। उनके आने पर चोरी किए हुए सामान की पुष्टि होगी। इधर, भटाणा में भी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। मंडार एसएचओ रविंद्र पाल सिंह ने बताया कि भटाणा गांव में दो परिवारों के चार मकानों के ताले तोड़े गए हैं। एक घर के ऊपर की तरफ परिवार के अन्य लोग सो रहे थे, लोगों को कमरे के बाहर कुंडी से बंद करने के बाद चोरी की वारदात का प्रयास किया गया है। चोरी किए हुए सामान की पुष्टि मकान मालिक के वापस लौटने के बाद हो पाएगी।

प्रस्तावित न्यूक्लियर प्लांट का विरोध

उदयपुर, (कासं)। बांसवाड़ा जिले के छोटी सरवन इलाकें में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट का सांसद राजकुमार रोत ने भी मंगलवार को संसद में विरोधक किया। भारत आदिवासी पार्टी बाप से नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि न्यूक्लियर प्लांट विनाशकारी योजना है। जिस स्थान पर प्लांट बनाया जा रहा ळैं वहां लोग खेती कर रहे है। वो किसान कहां जायेंगे। प्रशासन ने उनहें विस्तापित करने से पूर्व उनेकंव हां से हटाने का काम शुरू कर दिया। जिसका विरोधक हुआ और उस मामले में अभी तक 40 ठाामीणा न्यायिक अभिरक्षा में है। रोत ने कहा कि यह परमाणु उर्जा संयंत्र परियोजना इस क्षैत्र में भविष्य में विश्नाशकारक साबित होगी। उन्होंने बताया कि जापान में वर्ष 2011 में भूकंप आया, तबाही मची जहां इसी तरह का संत्रंय स्थापित था। सोवियत संघ में 26 अप्रेल 1986 में भूकंप आया वहां लगे परमाणु संयंत्र से परेशानी हुई, 40 लोग मारे गए। रोत ने कहा कि इस परिजनों के लिए माही बांध से पानी लिया जायेगा और दूषित पानी भी वही छोड़ा जायेगा। जिससे क्षैत्र की खेती एवं लोगों के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पडेगा।

वृहद स्तर पर पौधारोपण होगा

बाड़मेर, (नि.स)। बाड़मेर जिले में हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत करीब दो लाख पौधे लगाए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम बांदरा ग्राम पंचायत में स्थित वन खंड एवं जिला मुख्यालय पर पुलिस लाइन में आयोजित होगा। जिला कलक्टर निशान्त जैन ने संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए के लिए समुचित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर निशान्त जैन ने कहा कि हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन, सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करवाते हुए अधिकाधिक पौधारोपण करवाया जाए। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी सचिव सुबीर कुमार, जन प्रतिनिधिगण, धर्म गुरू एवं सेना, बीएसएफ, वायुसेना, पुलिस के जवान, विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक तथा आमजन शामिल होंगे।

पारस अरोड़ा की साहित्य साधना पर संगोष्ठी का आयोजन किया

जोधपुर, (कासं)। रचनाकार पारस अरोड़ा की साहित्य साधना पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने पारस अरोड़ा की काव्य साधना पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।

समारोह की अध्यक्षता जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) के.एल. श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) मंगलाराम बिश्नोई थे। राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने एक दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी संगोष्ठी के विषय की विवेचना करते हुए इसे बहुत ही महत्वपूर्ण बताया।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया है। संगोष्ठी संयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने स्वागत उद्बोधन दिया।

प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. लक्ष्मीकांत व्यास की अध्यक्षता में डॉ.मदनसिंह राठौड़, डॉ. दिनेश चारण, डॉ. रामरतन लटियाल, डॉ. इन्द्रदान चारण ने विविध विषयों पर आलोचनात्मक शोध पत्र प्रस्तुत किये। संयोजन डॉ कप्तान बोरावड़ ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. सुरेश सालवी की अध्यक्षता में डॉ. धनंजया अमरावत, श्रीमती संतोष चैधरी, डॉ. मदन गोपाल लड्ढा, श्री देवीलाल महिया ने विविध विषयों पर आलोचनात्मक शोध पत्र प्रस्तुत किये। संयोजन डॉ. सवाईसिंह महिया ने किया।

समापन समारोहः संगोष्ठी के समापन समारोह में राजस्थानी के प्रतिष्ठित विद्वान प्रोफेसर (डॉ.) कल्याणसिंह शेखावत ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।

संगोष्ठी में प्रोफेसर डॉ. अर्जुनदेव चारण, डॉ. देवकरण, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. दिनेश राठी, माधव राठौड़, महेन्द्रसिंह छायण,रामस्वरूप फिडौदा, तरनिजा मोहन राठौड, नीतू राजपुरोहित, श्रीमती हेमा अरोड़ा, डॉ.कालू खां, जगदीश मेघवाल, रविन्द्र चैधरी, श्रवण भादू, निकिता चंदेल, माधुसिंह भाटी, अभि, सोहनलाल, शान्तिलाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, राजस्थानी रचनाकार, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

मालिक पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती सालोड़ी गांव में एक खेत की तारबंदी में प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आने से भैंसे की मौत हो गई। खेत मालिक पर तारबंदी में करंट प्रवाहित किए जाने का आरोप लगाते हुए भैंसा मालिक ने केस दर्ज कराया है। राजीव गांधी नगर पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि सालोड़ी निवासी अचलाराम पुत्र चूनाराम माली ने रिपोर्ट दी कि 27 जुलाई को दिन के समय खुशालराम निवासी सालोड़ी ने उसके खेत के चारों और करंट का तार लगाया जिसके कारण सरकारी जमीन पर चर रहे उसके भैंसे की करंट से मौत हो गई। पुलिस ने मामले में अब जांच आरंभ की है।

11 हजार कावाड़िये करेंगे महादेव का जलाभिषेक

उदयपुर, (कासं)। शिव महोत्सव समिति की ओर से 9 अगस्त को उदयपुर से उभयेश्वर महादेव तक 21 किलोमीटर तक की निकाली जाने वाली 19वीं कावड यात्रा के तहत आयोजित सात दिवसीय समारोह के तहत मंगलवार को बजरंग सेना मेवाड़ की ओर से पांच हजार वर्ष पुराने गंगा के चैथे पाये गंगु कुंड पर भारत का पूजन कर भव्य संगीतमय गंगा महाआरती की गई गई जिसमें बड़ी संख्याँ में महिला एवं पुरूषों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संस्थापक कमलेन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि महाआरती में महंत इंद्र देवदास ,महंत राधिका शरण शास्त्री, महंत नारायण दास ,महंत प्रवीण दास, महंत दयाराम, महंत श्याम किशोर बाबा , काली कल्याण धाम गांधीपति डॉ. हेमंत जोशी,सगस जी बावजी सेवक सुशील चित्तौडा, अनूप सिंह सांखला, डॉ. प्रदीप कुमावत, क्षेत्रीय पार्षद मनोहर चौधरी, रामकृपा शर्मा, दिनेश भट्ट , प्रेम सिंह शक्तावत , कार्यक्रम के संयोजक मुकेश सिंह रावत ,सुरेश चैहान, राजमल चैधरी, जितेंद्र जैन, सुनील कालरा ,ऋषभ सिंह गहलोत, सुरेश टहलरमानी, गोविंद सिंह चौहान, रविन्द्र पाल सिंह, दिनेश मकवाना, एडवोकेट निर्मल पंडित, विजय प्रकाश विप्लव, महेश भावसार, श्री राम स्तुति, चंद्रशेखर स्तोत्रम नितिन दसोरा द्वारा व व्यायाम शाला द्वारा किया गया।

कोटा बैराज से पानी छोड़ा, चंबल खतरे के निशान से ऊपर

धौलपुर में चंबल नदी खतरे के निशान से 2.20 मीटर ऊपर बह रही है

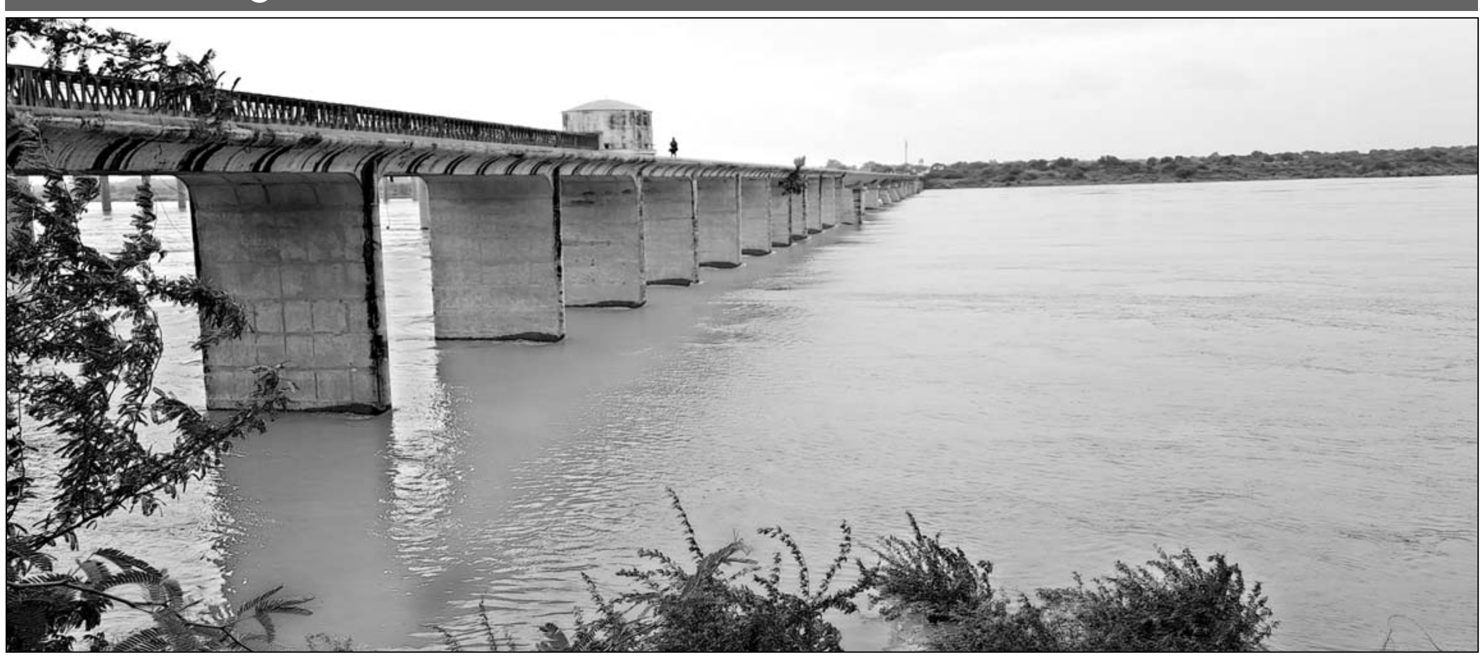

हाड़ौती में हो रही बारिश के बाद कोटा बैराज से चंबल नदी में पानी छोड़ा गया, जिसके बाद धौलपुर में चंबल नदी खतरे के निशान से 2.20 मीटर ऊपर बह रही है।

धौलपुर, (निसं)। हाड़ौती में हो रही लगातार बारिश के बाद कोटा बैराज से चंबल नदी में पानी छोड़ा गया है। जिसके बाद धौलपुर में चंबल नदी खतरे के निशान से 2.20 मीटर ऊपर बह रही हैं। जिसको लेकर धौलपुर जिले की राजाखेड़ा एसडीएम मनीषा मीणा एक्टिव मोड में आ गयी हैं।

- **प्रशासन ने लोगों से ऊंचे स्थानों पर रहने के लिए कहा, एसडीएम ने दौरा किया**

एसडीएम मीणा चंबल तटवर्ती क्षेत्र के गांव वरसला, अंधियारी, बसई घीयाराम में पहुंची। जहां लोगों से बातचीत करते हुए समझाया कि चंबल खतरे के निशान से 2.20 मीटर ऊपर चंबल नदी बह रही है, उससे दूरी बनाए रखें। चंबल रपट पर ना जाएं, ऊंचे स्थानों पर ज्यादा रहें जिससे बाढ़ आने पर कोई दुर्घटना न हो। अगर ऐसा लगे कि बाढ़ आने का अंदेशा है तो तुरंत उसकी सूचना कंट्रोल रूम को दें या फिर ब्लॉक प्रशासन के अधिकारी को दें। इसके साथ ही सभी कार्मिकों को तथा अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाये रखते हुए अपने संसाधनों को क्रियाशील व तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पाली में 24 घंटे में 14 इंच पानी बरसा, बाढ़ के हालात

एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनियां जलमग्न, सड़कों पर चार फीट तक पानी भरा, रास्ते बंद

पाली शहर में भारी बरसात से सड़क पर पानी भर गया।

पाली, (निसं)। पाली शहर में 24 घंटे में 14 इंच बरसात हुई, जिससे शहर में बाढ़ के हालात पैदा हो गये। वहीं की दर्जनों कॉलोनियां जलमग्न हो गई है।

रेलवे स्टेशन रोड से पांच मौका तक सड़क पर चार फीट पानी भर गया, जिससे रास्ता बंद है। यही हाल कमल अस्पताल के पिछले गेट से लोढ़ा स्कूल रोड, नहर रोड, कॉलेज रोड, रामदेव रोड, आशापुरा कॉलोनी, दुर्गा कॉलोनी, जवाहर नगर तालाब के तीसरे हिस्से से रपट चलने के कारण पानी का भराव हो गया है। नया गांव रोड, सुंदर नगर, रजत नगर, सांसी बस्ती, भाट बस्ती, ट्रांसपोर्ट नगर इलाकों में तीन फीट पानी भरा हुआ है। इसी प्रकार मंडिया रोड क्षेत्र के गांधीनगर में भी पूरा पानी भरा हुआ है। लाखोटिया तालाब, भैरू घाट पुल पर से पानी ऊपर से होकर निकल रहा है, जिससे बाढ़ के हालात हो रहे हैं। मंगलवार को भी रुक-रुक कर बारिश हो रही है। वहीं पाली की बांडी नदी भी दूसरे दिन पूरे वेग से बह रही है, जिससे हेमावास बांध 20 फीट पहुंच गया है। पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा जवाई बांध 20 फीट पहुंच गया है। पाली शहर में जगह-जगह अतिक्रमण होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो रही है।

बीसलपुर बांध का जलस्तर 311.45 सेमी पहुंचा

देवली, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध में पानी की आवक बनी हुई है। मंगलवार को बीसलपुर बांध में आधा मीटर पानी की आवक फिर से होने पर बांध के जलस्तर के गेज में आधे मीटर पानी का इजाफा हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीसलपुर बांध के केचमेंट एरिया में लगातार बारिश होने के कारण ऊपरी माल से पानी की आवक बनी होने से त्रिवेणी का गेज सामान्य रूप में बना हुआ है। जिसके कारण सोमवार और मंगलवार को बीसलपुर बांध में लगभग एक मीटर पानी की आवक हुई है, जिससे बीसलपुर बांध के जलस्तर में इजाफा हुआ है। मंगलवार की शाम 8 तक बीसलपुर बांध का जलस्तर 311.45 सेमी पर पहुंच गया है। फिलहाल बीसलपुर बांध और उपखंड क्षेत्र में मंगलवार को बारिश का प्रभाव कमजोर पड़ गया है लेकिन बनास नदी के ऊपरी माल पर बारिश का दौर बरकरार रहा तो बांध में पानी की आवक बनी रहेगी।

- **मंगलवार को बीसलपुर बांध में आधा मीटर पानी की आवक हुई**
- **बनास नदी के ऊपरी माल पर बारिश का दौर बरकरार रहा तो बांध में पानी की आवक बनी रहेगी**

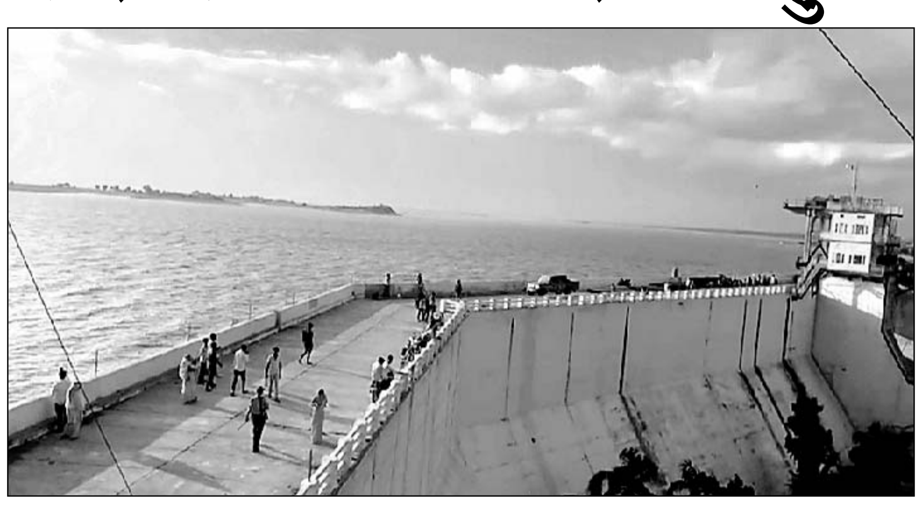

बीसलपुर बांध के केचमेंट एरिया में लगातार बारिश होने से बांध में एक मीटर पानी की आवक हुई है।

जोधपुर में 24 घंटे से बारिश जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में पिछले 24 घंटे से हो रही बारिश ने अब लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। शहर की खराब ड्रेनेज व्यवस्था के चलते डीपीएस चौराहा, बनाड़ रोड, माता का थान, तनवाड़ा, लूणी, सांगरिया, लूणी, झालामंड, कुड़ी के कई मोहल्लों में बारिश का पानी भर गया है। लूणी नदी में बहाव शुरू हो गया है। लगातार हो रही बारिश के चलते कई क्षेत्रों में पुराने मकान और दीवार भी ढह गई है। मंगलवार दोपहर तक यहीं हालात थी। दोपहर दो बजे तक सभी क्षेत्रों में बारिश हो रही थी, जिसके चलते प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है और पानी बहाव वाले क्षेत्र व नाले से दूर रहने की अपील की गई।

जोधपुर में पिछले 24 घंटे में 30 एमएम से ज्यादा बारिश दर्ज की जा चुकी है। मौसम विभाग की माने तो मंगलवार को जोधपुर में यलो अलर्ट जारी किया हुआ है। ऐसे में दिनभर रुक-रुक पर बारिश का दौरान चलने वाला है। तेज बारिश के चलते सोमवार रात को धवा क्षेत्र में एक दुकान ढह गई। बंद दुकान में रात के समय हादसा होने से इसमें किसी को चोट नहीं आई है। इधर, लूणी के सतलाना कृष्णखेड़ा लूणी नदी के रपट के ऊपर से बारिश का पानी बहना शुरू हो गया है। ऐसे में यहां से जाने वाला यातायात प्रभावित हो चुका है। तेज बारिश के चलते कांकाणी नेशनल हाईवे 62 से खाराबेरा पुरोहितान जाने वाले रास्ते पर पानी का तेज बहाव शुरू हो गया। ऐसे में लूणी पुलिस ने मौके पर पहुंच जेसीबी की मदद से पानी के बहाव को लूणी नदी की तरफ करवाया है।

बरसात से जर्जर भवन का हिस्सा गिरा

अजमेर, (कासं)। बीते दो दिन से हुई बरसात के चलते शहर के सबसे भीड़भाड़ वाले पुरानी मंडी बाजार में मंगलवार को एक जर्जर भवन का एक हिस्सा गिर गया, गनीमत यह रही कि कोई बड़ा हादसा घटित नहीं हुआ। घटना को लेकर क्षेत्रीय दुकानदारों ने नाराजगी जताते हुए निगम प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाया है। पुरानी मंडी व्यापारिक एसोसिएशन के अध्यक्ष किशनचंद गुप्ता ने बताया कि पुरानी मंडी स्थित बाजार में कई पुरानी 50-55 साल जर्जर भवन है, जो बरसात के दिनों में हादसे का सबब बन सकते हैं। पुरानी मंडी महिलाओं का मार्केट और त्यौहार के सीजन के चलते बाजार में भीड़ रहती है। बाजार में करीब 250 दुकानें हैं। इन दुकानों पर 20 से 25 हजार महिलाएं प्रतिदिन खरीददारी के लिए आती हैं। बीती दो दिनों हुई बरसात के चलते मंगलवार को एक जर्जर भवन का हिस्सा गिर गया, गनीमत यह रही कि कोई बड़ा हादसा घटित नहीं हुआ।

18 घंटे में अजमेर में सवा छह इंच वर्षा

अजमेर, (कासं)। पिछले तीन दिन से अजमेर शहर सहित जिलेभर में बरसात का दौर जारी है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, भारी बारिश की चेतावनी दी है। अजमेर में इस सीजन की सबसे ज्यादा बारिश हुई।

रविवार देर रात शुरू हुई बरसात मंगलवार तक जारी रही। करीब 18 घंटे में अजमेर में 157.6 एमएम यानी करीब सवा छह इंच से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई। तेज बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी रखी गई, तो वहीं शहर की अधिकांश कॉलोनियों में पानी भर गया। निचली बस्तियों में जलभराव अधिक हुआ। वहीं ऐतिहासिक फॉयसागर झील की 48 साल बाद बरसात के मौसम में चादर चली है। झील में 27 फीट तक पानी है। सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने झील के आसपास के क्षेत्रों में आमजन के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं 50 से अधिक कर्मचारी एवं अधिकारियों सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, पुलिस जवान भी तैनात किए गए हैं, ताकि ताकि दुर्घटना घटित न हो।

अजमेर में बरसात से फॉयसागर झील की चादर चली।

जानकारी के अनुसार अजमेर की ऐतिहासिक फॉयसागर झील में बरसात का पानी आने से पूरी तरह लबालब होने से झील छलक गई। पिछले साल यह झील बिपरजॉय तूफान के कारण 48 साल बाद छलकी थी। जिले में बरसात से खानपुरा तालाब व गोविंदगढ़ बांध की चादर चल पड़ी। आनासागर भी एक फीट 6 इंच ओवरफ्लो चल रहा है, फिलहाल इसके गेट बंद है। फॉयसागर झील पर चादर चलने व आसपास सुरक्षा के मद्देनजर कारीब 50 पुलिसकर्मी, कर्मचारी व अधिकारियों को तैनात किया गया है।

एसडीआरएफ ने 13 ग्रामीणों को बचाया

पाली, (निसं)। पाली में भारी बरसात से कई जगह पर हालात खराब है। वहीं कई जगहों पर पानी भरा हुआ है। वहीं एसडीआरएफ ने रोहट की जलमग्न ग्राम दूदहिया में फंसे 13 ग्रामीणों का जीवित रेस्क्यू किया और उन्हें बचा लिया।

- **भारी बरसात के कारण ग्राम दूदहिया जलमग्न होने व कुछ ग्रामीणों के फंसने की सूचना मिली थी**

जानकारी के अनुसार मंगलवार को सवेरे पुलिस कंट्रोल रूम जिला पाली से भारी बरसात के कारण पुलिस थाना रोहट के अन्तर्गत जलमग्न ग्राम दूदहिया में कुछ ग्रामीणों के फंसे की सूचना एसडीआरएफ राजस्थान कन्ट्रोल रूम जयपुर को मिली। सूचना पर कन्ट्रोल रूम द्वारा कमाण्डेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार आपदा राहत एवं बचाव के लिए एसडीआरएफ कम्पनी जोधपुर की पुलिस थाना रोहट जिला पाली में तैनात रेस्क्यू टीम एफ-08 के प्रभारी कानि. गणपत को घटनास्थल के लिए रवाना होने के निर्देश दिए। रेस्क्यू टीम प्रभारी 10 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ मंगलवार दोपहर बारह बजे घटना स्थल पर पहुंचे। टीम कमाण्डर ने स्थिति का जायजा लिया तथा एसडीआरएफ कमाण्डेंट को बताया कि पुलिस थाना रोहट जिला पाली के अन्तर्गत भारी बरसात के कारण ग्राम दूदहिया जलमग्न हो गया है। ग्राम दूदहिया में कुछ ग्रामीण फंसे हुए हैं। सबसे पहले रेस्क्यू टीम मोटर बोट की सहायता से जलमग्न ग्राम दूदहिया में फंसे ग्रामीणों के पास पहुंची। उसके बाद टीम ने दूदहिया ग्राम में फंसे 13 ग्रामीणों को लाईफ जैकेट पहनाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सुरक्षित बचाये गये 13 ग्रामीणों में पांच पुरूष, पांच महिला व तीन युवतियों शामिल है।

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

श्रीगंगानगर रोड़, बीछवाल - बीकानेर - 334006 (राजस्थान), E-Mail : estateofficerskraubikaner@gmail.com

निविदा सूचना

क्रमांक	नाम
मुख्यालय का नाम	कार्यालय भू-सम्पति अधिकारी स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा का कार्य	निर्माण कार्य
निविदाओं की कुल लागत	रू. 23.74 लाख
निविदा बेचने की अंतिम तारीख	12.08.2024 को दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तारीख	13.08.2024 को दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	13.08.2024 को दोपहर 2.30 बजे पश्चात

RPWA 100 एवं RTPP act.2012 & revised till date की शर्ते लागू होगी।

UBN No. SKA2425WSOB00047

राज.संवाद/सी/24/3394 भू-सम्पति अधिकारी

Office of The Program Offieer (EGS) Cum BDO Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.104 Date: 01.08.2024

Notice Inviting Bid-01/2024-25

Bid for Supply Work of Material and Equipments & Work tenders for various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	approximate value of the procurement	UBIN
Balwada	60.00 Lakh	ZJR2425GLRC00290
Jeewana	60.00 Lakh	ZJR2425GLRC00289
Dabli	10.00 Lakh	ZJL2425WSOB00287
Dabli	90.00 Lakh	ZJL2425WSOB00288
Sangana	80.00 Lakh	ZJR2425GLRC00295

DIPR/C/7011/2024 Program Officer (EGS) Cum BDO Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/67 - 69 Date : 02/08/2024

ई-निविदा सूचना संख्या: 18/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्य एवं कार्य की लागत	:	रूपये 125.00 लाख (Consultancy Work for Preparation of Detailed Project Report for Construction of Elevated Road Between Pratap Nagar Chauraha and Debari Junction in Udaipur.)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	07.08.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 27.08.2024 को सांय: 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	07.08.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 27.08.2024 को सांय: 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	28.08.2024 को सांय: 04.00 बजे (तकनिकी बिड)

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2425WSOB00160

राज.संवाद/सी/24/3408 अधिशाषी अभियन्ता - द्वितीय

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructure Corporation Ltd.

(A Government of Rajasthan Undertaking)

Old Working Women Hostel, Behind Nehru Place, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur

Ph: 0141- 2742240, 2742538, 2742263 E-mail: rudsico.amrut@gmail.com, Web: urban.rajasthan.gov.in/rudsico

F18 (167)/RUDSICO/Office building/2024-25/4606 Date :- 05/08/2024

NIB No. 03/2024-25

Notice inviting online bids for Repair & Maintenance work of RUDSICO office building

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage &Infrastructure Corporation Limited (RUDSICO), a Government of Rajasthan undertaking, invites online unconditional bids on behalf of the Governor of Rajasthan through e-procurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in** from eligible bidders in accordance with the RTPP Act 2012 and RTPP Rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) National with single stage Bidding procedure for following works.

S. No.	Name of Work	Total Cost (INR in Lakh)	Bid Security (INR in Lakh)	Period of completion
1	Repair & Maintenance work of RUDSICO office building	61.20	1.224	06 Months

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government **sppp.rajasthan.gov.in** and **eproc.rajasthan.gov.in** from date 05.08.2024 at 1700 Hours till the end date of online submission of bids i.e. 20.08.2024 up to 1800 Hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.

NIB No. RDP2425A0009, UBN No. RDP2425WSOB00012

Raj.Samwad/C/24/3378 Project Director (UI) RUDSICO, Jaipur

मूसलाधार बरसात से पुष्कर सरोवर लबालब

सरोवर हुआ ओवरफ्लो, डूब क्षेत्र की ओर बढ़ा पानी, कई होटलों में दो फीट पानी भरा

पुष्कर, (निसं)। अल सुबह से हुई बरसात से तीर्थ नगरी तरबतर हो गई तो वहीं पवित्र सरोवर एक बार फिर लबालब हो गया तथा लगातार पानी की आवक हो रही है। रात्रि से ही रुक-रुककर मूसलाधार बरसात से निचली बस्तियां जलमग्न हो गई। पुष्कर में आठ इंच बारिश हुई है।

जानकारी के अनुसार बरसात से माली मोहल्ले में घरों में पानी भर गया। नरसिंह घाट के आसपास की दुकानों में भी पानी भर जाने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रात्रि से हो रही तेज बरसात से पवित्र सरोवर में पानी की आवक होने से इस बार सरोवर लबालब हो गया है। नाग पहाड़ से झरने चलने लग गए हैं। बड़ी पुलिया में लोगों की भीड़ लग रखी है। बड़ी पुलिया पर भी पानी भर गया। परिक्रमा मार्ग से गुरुद्वारा के लिए जाने वाला मार्ग भी बंद हो गया। बारिश से निचली बस्तियों में पानी भर जाने से लोगों को एक बार फिर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। परिक्रमा मार्ग, सावित्री मार्ग, पुराने रंगजी के मंदिर, माली मोहल्ला, नरसिंह घाट, वराह घाट चौक सहित कई इलाकों में पानी भर गया।

- **सिविल डिफेंस और पुलिस ने खाली कराये होटल व रिसोर्ट, पुष्कर में आठ इंच बारिश हुई**

यही नहीं दुकानों में और घरों में पानी भर जाने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नाग पहाड़ से फिडरों से पानी की लगातार आवक बन रखी है तो वही बरसात का दौर जारी है। भारी बारिश के कारण होटल में पानी भर जाने से डूब क्षेत्र की होटल को जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सिविल डिफेंस ने खाली करवा लिया। सिविल डिफेंस के किशन गोपाल जाट ने बताया कि जिला प्रशासन से निर्देश मिलते ही जहां-जहा पानी ज्यादा भरता है या भर गया उन होटलों को खाली करवा लिया गया है।

पुष्कर में हुई बारिश से सरोवर लबालब भर गया।

'प्रोसीक्यूटर के पदों पर मनमाने तरीके से नियुक्ति पर रोक लगाएं'

हाईकोर्ट में प्रोसीक्यूशन ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से याचिका दायर कर गुहार की है, जिस पर अदालत ने कानून व गृह विभाग से जवाब तलब किया

- याचिकाकर्ता ने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रोसीक्यूटर के पदों पर नियुक्ति के लिये कानून विभाग द्वारा जिला न्यायाधीशों और कलेक्टरों से अधिवक्ताओं की सिफरिश लेने की पुरानी प्रथा पर रोक लगाएं, क्योंकि इसमें योग्यता को नहीं देखा जाता है बल्कि केवल और केवल राजनैतिक व असंगत लाभों के कारण ही नियुक्ति की जाती है और सुप्रीम कोर्ट भी इसमें गंभीर टिप्पणी कर चुका है
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के लागू होने से पहले से ही राज्य में 'राजस्थान प्रोसीक्यूशन सर्विसेज रूल्स-1978' और 'राजस्थान प्रोसिक्यूशन सबोर्डिनेट सर्विस रूल्स-1978' लागू रहे हैं और नये कानून के तहत केवल काडर में से ही प्रोसीक्यूटर्स को नियुक्ति दी जा सकती है और रिक्त पदों को केवल पदोन्नति से ही भरा जा सकता है।
- याचिकाकर्ता का कहना है कि कानून विभाग की ओर से असाधारण परिस्थितियों का वर्णन किये बगैर 31 जनवरी 2024 को प्रदेश के सभी जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टरों को पत्र लिखकर अधिवक्ताओं के नाम की सिफारिश भेजें जिससे वह पब्लिक प्रोसीक्यूटर्स नियुक्त करें।

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में राजस्थान प्रोसिक्यूशन ऑफिसर्स एसोसिएशन (आर.पी.ओ.ए.) की अध्यक्ष, प्रतिभा पुरोहित, की ओर से रिट याचिका दायर कर अदालत से गुहार की गई है कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पब्लिक प्रोसीक्यूटर, एडीशनल प्रोसीक्यूटर और स्पेशल प्रोसीक्यूटर के पदों पर नियुक्ति के लिये कानून विभाग द्वारा जिला न्यायाधीशों और कलेक्टरों से अधिवक्ताओं की सिफरिश लेने की पुरानी प्रथा पर रोक लगाएं। याचिकाकर्ता की ओर से याचिका में कहा गया कि नई कानून व्यवस्था के तहत जिन राज्यों में 'प्रोसीक्यूटिंग ऑफिसर' (यानी अभियोग चलाने वाले अधिवक्ताओं) का काडर हो तो राज्य सरकार उस काडर में से ही 'प्रोसीक्यूटर्स' नियुक्त कर सकती है। याचिका के अनुसार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-18 व इसके नियम स्पष्ट कहते हैं कि 'पब्लिक प्रोसीक्यूटर्स' की नियुक्ति उसके लिये बने काडर से ही हो और सभी रिक्त पद 'प्रमोशन' (पदोन्नति) से ही किये जाये। न्यायाधीश अनिल उपमन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार 'प्रिंसीपल लॉ सेक्रेटरी' और 'एडीशनल चीफ सेक्रेटरी (होम)' तथा अन्य संबंधित पार्टियों से जवाब तलब किया है।

दरअसल भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के लागू होने से पहले से ही राज्य में 'राजस्थान प्रोसीक्यूशन सर्विसेज रूल्स-1978' और 'राजस्थान प्रोसिक्यूशन सबोर्डिनेट सर्विस रूल्स-1978' लागू रहे हैं। यानी राजस्थान में कई वर्षों से 'पब्लिक प्रोसीक्यूटर्स' का काडर बना हुआ है और उन्हें नियमानुसार रिक्त पदों को 100 प्रतिशत 'प्रमोशन' करके ही भरना होता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 18(3) के तहत असाधारण परिस्थितियों में ही, जैसे किसी भी उपयुक्त व्यक्ति का ना मिलने की स्थिति में, राज्य सरकार काडर के बाहर से 'पब्लिक प्रोसीक्यूटर' के पद पर किसी व्यक्ति की नियुक्ति कर सकती है। याचिकाकर्ता का कहना है कि कानून विभाग की ओर से सभी नियम कायदों को दरकिनार करते हुए और बिना असाधारण परिस्थितियों का वर्णन किये बगैर 31 जनवरी 2024 को प्रदेश के सभी जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टरों को पत्र लिखकर अधिवक्ताओं का पैनल बनाने को कहा जो राज्य सरकार को अधिवक्ताओं के नाम की सिफारिश भेजें जिसे वह पब्लिक प्रोसीक्यूटर, एडीशनल प्रोसीक्यूटर और स्पेशल प्रोसीक्यूटर के पदों पर नियुक्त करें।

याचिकर्ता का कहना है कि काडर के बाहर से अधिवक्ताओं को प्रोसीक्यूटर के पद पर नियुक्त करने की प्रथा बिलकुल ही अपारदर्शी है और मनमाने तरीके से की जाती है, जिसमें केवल और केवल राजनैतिक व असंगत लाभों के कारण ही नियुक्ति की जाती है। अधिवक्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि जिला स्तरीय सरकार अधिवक्ता भी अनुबंध के आधार पर कार्य नहीं करते हैं और न्यायिक अधिकारी होते हैं। इसलिये जिला स्तरीय अधिवक्ता व 'पब्लिक प्रोसीक्यूटर्स' सार्वजनिक कार्यालय में पद ग्रहण करते हैं, इसलिये राज्य सरकार मनमाने तरीके से किसी भी व्यक्ति की वहां पर नियुक्ति नहीं कर सकती।

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि 23 मई को आर. पी.ओ.ए. ने गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा था कि वे मनमाने तरीके से कानून की अवहेलना करते हुए पब्लिक प्रोसीक्यूटर, एडीशनल प्रोसीक्यूटर और स्पेशल प्रोसीक्यूटर के पदों पर नियुक्ति न करें, परंतु पत्र लिखे जाने के बाद ना तो उन्होंने कोई जवाब दिया बल्कि प्रक्रिया को स्थगित भी नहीं किया और 26 जून को विभिन्न जिला न्यायाधीशों और कलेक्टरों के बनाये गये पैनल से अधिवक्ताओं के नामों की सूची को मंगाया और नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। याचिकाकर्ता ने कानून विभाग द्वारा जारी पत्र जिनसे प्रोसीक्यूटर्स के पदों को भरने के लिये सुझाव मांगे गये हैं, उसे रद्द करने की भी गुहार की है। मामले को सुनने के बाद अदालत ने इसमें चार सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया है और संबंधित पार्टियों से जवाब तलब किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने मंत्रीपरिषद के सदस्यों एवं विधायकों के साथ मंगलवार को जयपुर के जवाहर सर्किल स्थित 'एंटरटेनमेंट पैराडाइज' मल्टीप्लेक्स में महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के संघर्ष एवं बलिदान पर आधारित फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की स्पेशल स्क्रीनिंग देखी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौर व अन्य विधायक भी उपस्थित रहे।

प्रदेश के विकास में भी सिख समाज का महत्वपूर्ण योगदान : भजनलाल

- सिख समाज के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सिख धर्म हमें जीवन में सच्चाई, ईमानदारी और मेहनत को अपनाने की सीख देता है। यह सिद्धांत हमें आत्मनिर्भरता और कर्मठता का महत्व भी समझाता है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय द्वारा गुरूद्वारों में निःशुल्क भोजन सेवा उनके सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रदेश के विकास में भी सिख समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिख समाज से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए आयोजित धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु नानकदेव जी ने जात-पात और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया और सभी मनुष्यों को एक समान बताया। सिख धर्म में स्त्रियों और पुरुषों के बीच समानता पर भी जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह धर्म हमें दूसरों की रक्षा का पाठ भी पढ़ाता है। सिख योद्धाओं की वीरता और बलिदान इतिहास में अनमोल है। जब-जब भी देश पर आतातायियों का आक्रमण हुआ सिख समाज ने मजबूती के साथ उनका मुकाबला किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के बजट में हर वर्ग और हर क्षेत्र के लिए घोषणाएं की हैं। प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास के लिए भी इस बजट में प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली बाईपास स्थित तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारा-जयपुर तथा बुड्डा जोहड़ गुरुद्वारा-अनूपगढ़ में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं विकास कार्य करवाए जाएंगे।

शर्मा ने कहा कि सिख गुरूओं ने अपनी वाणी से समाज के वंचित और असहाय वर्ग की सेवा का संदेश दिया है। उनके संदेश को अपनाते हुए हमें आस-पास के ऐसे लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक सरोकार में भागीदारी करने की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें प्रेरणा दी है। उनके द्वारा चलाए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 7 अगस्त को प्रदेश में 1 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। श्री शर्मा ने सिख समाज के लोगों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आवन किया।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री का सम्मान करते हुए उन्हें पगड़ी बांधी तथा गुरू गोविंद सिंह जी की तस्वीर व तलवार भेंट की। कार्यक्रम में विधायक श्री गुरवीर सिंह सहित राज्य के विभिन्न गुरूद्वारों के प्रधान, जत्थेदार एवं सिख समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाकर छह महीने के लिए सस्पेंड

कांग्रेस बोली, ''सड़क तक करेंगे विरोध''

- निलंबन के बावजूद सदन नहीं छोड़ने के कारण भाकर पर हुई कार्यवाही
- कांग्रेस ने मांगा कानून मंत्री का इस्तीफा

जयपुर, (वि.सं.)। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र पक्ष और विपक्ष के बीच बड़े टकराव के साथ खत्म हो गया। एक दिन पहले मुकेश भाकर के निलंबन के कारण बना गातिरोध खत्म होने के बजाय ज्यादा बढ़ गया और स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को छह महीने के लिए सस्पेंड कर दिया। सदन में कानून मंत्री के बेटे को अतिरिक्त महाधिवक्ता बनाने के विषय पर बहस को लेकर सोमवार से लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई थी। दूसरे दिन कांग्रेस ने कानून मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

मुकेश भाकर को निलंबित करने के तत्काल बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। हालांकि इसके बाद भी विपक्ष के विधायक सदन में लगातार नारेबाजी करते रहे। इससे पहले सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने भाकर को छह महीने के लिए सस्पेंड करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे स्पीकर ने तत्काल मंजूर कर दिया। मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को छह महीने के लिए सस्पेंड करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि भाकर को 5 अगस्त को निलंबित करने के बाद सदन से चले जाना चाहिए था। स्पीकर ने उन्हें बार-बार सदन से जाने को कहा, लेकिन उन्होंने आदेशों की अवहेलना की।

विधानसभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन नियम 292-3 में यह प्रावधान है कि निलंबित विधायक को तत्काल सदन की सीमाओं से बाहर चले जाना चाहिए, लेकिन भाकर ने अब तक ऐसा नहीं किया। पूरा प्रतिपक्ष उन्हें संरक्षण दे रहा है। ऐसे अभद्र व्यवहार करने वाले को इस सदन का सदस्य रहने का हक नहीं है।

इस कार्यवाही के बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुकेश भाकर के छह महीने के निलंबन पर नाराजगी जताई। भाजपा का कहना है कि गलती मानने के बजाए भाकर आसन को झुकाने का प्रयास कर रहे थे। निलंबन में बाद मुकेश भाकर ने कहा कि भाजपा और भाजपा सरकार के दबाव में स्पीकर ने यह असंवैधानिक फैसला लिया है। भाकर ने कहा कि यह फैसला भाजपा के दबाव में लिया गया। हम कानून मंत्री के बेटे की गलत तरीके से नियुक्ति के बारे में बात करना चाहते थे। पहले स्पीकर ने कहा कि आप सीट पर जाएं, मैं व्यवस्था देता हूं। हम सीट पर गए तो स्पीकर ने कहा कि आप लिखित में दीजिए, मैं परीक्षण करके कल समय दूंगा। जब नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे तो भाजपा नेता बीच में खड़े होकर बोलने लगे। मैंने विधायकों से कहा कि नेता प्रतिपक्ष बोल रहा है तो आपको अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पीकर पहले से यह तय करके आए थे। भाजपा के मंत्री जवाब दे नहीं पा रहे हैं। भाजपा सरकार विधानसभा में पूरी तरह से फेल हो रही है। उसे कैसे बचाया जाए। इसकी पूरी जिम्मेदारी स्पीकर ने अपने ऊपर ले रखी थी। जिस तरह से बिना वोटिंग और जल्दबाजी में कल निलंबित किया गया। आज भी जल्दबाजी में असंवैधानिक तरीके से सस्पेंशन किया गया। अब हम सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर आगे की रणनीति बनाएंगे।

सदन स्थगित होने के बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जोगेश्वर गर्ग के आरोपों पर कहा कि पता नहीं मार्शल को मुकेश ने काटा है या उन्हीं के सदस्यों ने काट खाया है। जिस प्रकार का गतिरोध सदन में बना। हमारी महिला सदस्यों के साथ धक्का-मुक्की हुई है। हमारे कई सदस्यों के साथ इस तरह का बर्ताव किया गया। सदन से निलंबन पहले भी होता आया है, लेकिन इसकी एक मर्यादा होती है। मार्शल धक्का-मुक्की नहीं कर सकते। नियम है कि वो सदस्य को हटाकर वहां से ले जा सकते हैं, जो उन्होंने किया वो गलत है और अब हमारे सदस्यों पर आरोप लगा रहे हैं, यह सरासर गलत है। जूली ने कहा कि भाजपा हमेशा बाबा साहब के बने संविधान का अपमान करती है। दिल्ली के बाद यहां भी ऐसा ही किया है। हम इस मामले को लेकर सड़क पर विरोध करेंगे, ओर ब्लॉक स्तर तक मामले को लेकर जाएंगे। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो कांग्रेस का धरनाजारी रहा।

आरजेएस भर्ती परीक्षा में शामिल करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरजेएस भर्ती-2024 में एसटी विधवा वर्ग के लिए पद आरक्षित नहीं करने के मामले में हाईकोर्ट प्रशासन को आदेश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता को मुख्य परीक्षा में शामिल करे। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस गणेश मीणा की खंडपीठ ने यह आदेश सुनीता मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हिमांशु जैन ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट प्रशासन ने राजस्थान न्यायिक सेवा के 222 पदों के लिए इस साल भर्ती निकाली है। जिसकी प्रारंभिक परीक्षा होने के बाद 31 अगस्त को मुख्य परीक्षा होनी है। भर्ती में 24 पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित रखे गए हैं। इनमें से आठ पद एसटी महिला के लिए आरक्षित रखे गए है। वहीं इन आठ पदों में से तीस फीसदी पद एसटी विधवा और तलाकशुदा कोटे के लिए आरक्षित होने चाहिए, लेकिन इस कोटे के लिए अलग से कोई पद नहीं रखे गए। याचिका में बताया गया कि प्रारंभिक परीक्षा में याचिकाकर्ता के 46 अंक आए है, जबकि सामान्य विधवा वर्ग की कट ऑफ 45 अंक हैं। वहीं हाईकोर्ट प्रशासन ने एसटी विधवा और तलाकशुदा वर्ग की अलग से कट ऑफ जारी ही नहीं की। ऐसे में हाईकोर्ट प्रशासन ने आरक्षण के प्रावधानों की अवहेलना की है। याचिकाकर्ता के अधिक अंक होने के कारण उसे मुख्य परीक्षा में शामिल किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को मुख्य परीक्षा में शामिल करने को कहा है।

निलम्बित सदस्य आसन के निर्देशों के बावजूद सदन में बैठे रहे

अन्ततः अध्यक्ष ने दुःखी मन से विधायक भाकर को छः माह के निलम्बित किया

- प्रतिपक्ष द्वारा निलम्बित सदस्य को सुरक्षा देकर आसन के आदेशों की अवहेलना कर सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाई, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा : देवनानी

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा सदन में मंगलवार को भी प्रतिपक्ष ने आसन के आदेशों की अवहेलना कर पवित्र सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाई। देवनानी ने कहा कि उन्होंने आसन से बार-बार निलम्बित सदस्य को सदन से बाहर भेजने के लिए कहा। प्रतिपक्ष ने आसन के निर्देशों को नकारा और निलम्बित सदस्य को सदन में सुरक्षा दी और उसे बाहर नहीं भेजा बल्कि उसे घेर कर सदन में जमे रहे।

देवनानी ने नियमों के विपरीत प्रतिपक्ष के व्यवहार को लोकतान्त्रिक व्यवस्थाओं और समृद्ध संसदीय परम्पराओं की अवहेलना बताया है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा दस बार नेता प्रतिपक्ष और प्रतिपक्ष के सदस्यों को सदन में बैठने के लिए भी अनुरोध किया गया। देवनानी ने प्रतिपक्ष द्वारा आसन के निर्देशों की अवहेलना को बेहद दुःखद बताया है। उन्होंने कहा कि सदन में किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं घटे इसके लिए उन्होंने निलम्बित सदस्य को सदन से बाहर निकालने के लिए मार्शल भी नहीं बुलाया। देवनानी ने कहा कि जब तक वे आसन पर रहेंगे तब तक वे आसन की मान मर्यादा और गरिमा को बनाये रखेंगे। विधानसभा जैसे पवित्र व गरिमापूर्ण सदन को प्रतिपक्ष के सदस्यों ने अमर्यादित और असंवैधानिक आचरण से ठेस पहुँचाई है, जिसे वे बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रतिपक्ष द्वारा निलम्बित सदस्य का बचाव करना बेहद निन्दनीय व अशोभनीय है। देवनानी ने कहा कि आसन द्वारा बार-बार प्रतिपक्ष को अनुरोध किये जाने के बाद भी निलम्बित सदस्य को बाहर नहीं भेजा जाना, आसन के निर्णय की सरासर अवहेलना है। देवनानी ने कहा कि उनके अनुरोध को प्रतिपक्ष ने नकारा। अन्ततः उन्हें दुःखी मन से सदस्य को छः माह के लिए निलम्बित किये जाने के लिए बाध्य होना पड़ा। यह निर्णय उनके लिए मानसिक पीड़ा देने वाला है। उन्होंने कहा कि सत्र में प्रतिपक्ष नेता और प्रतिपक्ष सदस्यों ने अनेक बार असंसदीय व्यवहार किया और गतिरोध बनाया, बाद में अपनी गलती के लिए माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि प्रतिपक्ष का यह व्यवहार असंवैधानिक और अनैतिक था। देवनानी ने कहा कि आसन असंसदीय और अशोभनीय आचरण को प्रोत्साहित नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और नैतिकता उनके व्यवहार में रची-बसी हुई है। सदन में प्रतिपक्ष की आज भी अमर्यादित और अनैतिकता वाले व्यवहार को देखकर वे दुःखी हुए।

राज्यपाल बागडे ने ली विशेष समीक्षा बैठक

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने जनजातीय क्षेत्रों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के अंतर्गत व्यय की जाने वाली एक एक पाई का हिसाब रखा जाए।

बागडे मंगलवार को राजभवन के अधिकारियों की आयोजित विशेष बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उच्च शिक्षा के अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का आ ान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नेक की तैयारी और रैंकिंग वृद्धि के लिए भी तेजी से कार्य करने पर जोर दिया और इसकी राजभवन स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कमजोर और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए लागू योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का भी आ ान किया। उन्होंने जनजाति क्षेत्रों में वर्षा जल संरक्षण और बारिश के पानी को सहेजने के लिए भी विशेष कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। जनजाति क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के बारे में जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि यह देखा जाए कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर वास्तविक कार्य हुआ है अथवा नहीं। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के प्रभावी विकास के लिए सबको मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों को कौशल विकास से आंकड़ों में नहीं व्यावहारिक रूप में समृद्ध किए जाने और राजभवन स्तर पर इसकी नियमित मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा गांव गोद लेकर उनके विकास के लिए किए जाने वाले कार्यों की भी विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने गांवों में विकास के लिए व्यावहारिक प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने राजभवन से जुड़े विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण लगन और निष्ठा से कार्य करे। बैठक में राज्यपाल के सचिव श्री गौरव गोयल ने राजभवन के स्तर पर किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी। विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों ने पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी।

विधानसभा का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जयपुर, (वि.सं.)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के द्वितीय सत्र को मंगलवार को दोपहर 1:53 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

पर्यटकों को मिले अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन, पुरातत्व तथा धार्मिक स्थानों का सुनियोजित विकास कार्य किये जाने के लिए कार्य योजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की गुणवत्तापूर्ण कार्य के आधार पर राजस्थान में आने वाले पर्यटकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ उपलब्ध हो इसे लक्षित करके ही पर्यटन विकास के कार्यों को मूर्त रूप दिया जाए।

दिया कुमारी के समक्ष मंगलवार को सचिवालय में पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा के द्वारा आरटीडीसी की प्रबंध निदेशक अनुपमा जोरवाल की उपस्थिति में पर्यटन यूनिट नीति-2024 के संभावित बिंदुओं सहित बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण दिया गया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को बेहतर काम करने के लिए एजेंसियों का पारदर्शिता से चयन किये जाने की प्रक्रिया अपनाएं जाने के भी निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग से सम्बन्धित सभी बजट घोषणाओं की द्रुत गति से क्रियान्विति के लिए भी निर्देश दिए। इसके साथ ही विकसित राजस्थान 2047 के विजन डॉक्यूमेंट पर चर्चा कर सहमति प्रदान की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बजट घोषणाओं के बिन्दुओं में उल्लेखित श्री खाटूश्याम जी, श्री महावीर जी तथा अन्य धार्मिक पर्यटन स्थलों का पूर्ण भव्यता और सुनियोजित रूप से जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जमवाय माता मन्दिर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए मंदिर का पूर्ण भव्यता से जीर्णोद्धार किये जाने के निर्देश दिए।

विरासत से विकास में दिखेगा दस्तकारों का हुनर

जयपुर, (का.सं.)। देशभर में 7 अगस्त को नेशनल हैंडलूम डे मनाया जाएगा। यह दिवस है दस्तकारों के हुनर को सलाम करने का। इसी के साथ 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा। दोनों ही उपलक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जवाहर कला केंद्र की ओर से अतुल्य अगस्त प्रोग्राम के तहत 11 से 17 अगस्त तक अलंकार दीर्घा में विरासत से विकास एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में हैंडलूम की विरासत को देशभर से सहेजकर यहां प्रदर्शित किया जाएगा, इससे हैरिटेज आर्ट के विकास का क्रम देखने को मिलेगा।

नागपुर से जयपुर आया बाघ जोड़ा

जयपुर। महाराष्ट्र के नागपुर से बाघ का एक जोड़ा मंगलवार को नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाया गया है। यह जल्द ही नाहरगढ़ टाइगर सफारी की शान बनेगा। केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण नई दिल्ली की स्वीकृति के बाद मंगलवार को सुबह वन्यजीव एस्क्यू सेन्टर गोरेवाड़ा नागपुर महाराष्ट्र से एक नर बाघ गुलाब (4 वर्ष) तथा एक मादा चमेली (3 वर्ष) को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में लाया गया। बाघ के जोड़े को पहले 21 दिन के लिए क्वॉरेंटाइन में रखा जाएगा और उसके बाद इसे नाहरगढ़ टाइगर सफारी में छोड़ा जाएगा। वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ अरविंद माथुर के नेतृत्व में बाघ के जोड़े को नागपुर से नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाया गया। करीब 24 घंटे का सफर तय कर यह बाघ का जोड़ा जयपुर पहुंचा है। वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ अरविंद माथुर ने बताया कि बाहर से आने के कारण इस जोड़े को 21 दिन के क्वॉरेंटाइन में रखा जाएगा, ताकि ये आपको को यहां की जलवायु के हिसाब से खुद ढाल सके। सितंबर में नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में टाइगर सफारी शुरू होगी और उस समय इस बाघ के जोड़े को टाइगर सफारी में छोड़ा जाएगा. इसके बाद वहां आने वाले पर्यटक एवं वन्य जीव प्रेमी इस जोड़े को देख सकेंगे। डॉ माथुर ने बताया कि एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत बाघ के जोड़े को जयपुर लाया गया है।

जल जीवन मिशन में निम्न प्रगति वाले जिलों को नोटिस

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कहा कि प्रदेश में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत निम्न प्रगति वाले बीकानेर, जयपुर ग्रामीण, करौली एवं कोटपूतली-बहरोड जिलों के अधीक्षण अभियंताओं को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग 14 के आधार पर की जा रही है जिसमें इन जिलों की प्रगति निम्न स्तर की पाई गई है।

साथ ही जिन जिलों में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत जो ठेकेदार निर्धारित टारगेट के अनुसार कार्य नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मदन राठौड़ ने अतिवृष्टि वाले इलाकों में नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्देश दिये

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से हो रही अतिवृष्टि को ध्यान में रखते हुए प्रशासन के साथ आमजन से जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की। राठौड़ ने जिला कलेक्टर्स, संभागीय आयुक्त के साथ भाजपा जिलाध्यक्षों को भी जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर उचित प्रबंध करने के लिए निर्देशित किया है।

राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में पाली, बूंदी, जैसलमेर, बाडमेर सहित अन्य जिलों में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के चलते बाढ़ के हालात बन गए। कन्हीं कुछ कॉलोनियों में पानी की समुचित निकासी नहीं होने के चलते संपूर्ण कॉलोनी में पानी भर गया, ऐसे में पानी निकासी के लिए उचित प्रबंध करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि पाली के संभागीय आयुक्त और कलेक्टर को जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए आपदा प्रबंधन टीम तैयार करने के साथ जोधपुर जाने वाली नहर में पानी निकासी के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिए। भाजपा सरकार आपदा की इस घड़ी में नागरिकों के साथ हैं और प्रदेशवासियों की सुरक्षा भाजपा के लिए सर्वोपरि है।

महापौर के बाद डिप्टी मेयर ने जनसुनवाई का ऐलान किया

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर के 31 जुलाई से जनसुनवाई करने का ऐलान करने के बाद अब डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत ने भी खुद के स्तर पर जनसुनवाई करने की घोषणा की है। उन्होंने सप्ताह में 3 दिन नगर निगम मुख्यालय, जबकि 2 दिन जोन ऑफिस में जनसुनवाई करने की बात कही है।

मंगलवार को नगर निगम ग्रेटर में मीडिया को संबोधित करते हुए डिप्टी मेयर कर्णावत ने कहा कि नगर निगम ग्रेटर के बोर्ड को बने साढ़े 3 साल से ज्यादा समय हो गया है। चूंकि अब प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार है तो ऐसे में अब जनता के काम ज्यादा से ज्यादा और आसानी से हो उसके लिए हमने जनसुनवाई शुरू करने का निर्णय किया। मेयर की ओर से जनसुनवाई करने के सवाल पर डिप्टी मेयर ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों को सुनवाई करनी चाहिए। मेयर जनसुनवाई शुरू करने वाली है। इसकी नॉलेज मुझे है। मैं सोमवार से बुधवार तक मुख्यालय पर, जबकि गुरुवार-शुक्रवार जोन ऑफिस में सुनवाई करूंगा।

सार-समाचार

आंखों पर पट्टी बांधकर काटे बाल

जोधपुर, (कासं)। शहर का पहला बारबर शो मंगलवार को सुबह एक निजी होटल में आयोजित किया गया। सुबह से चल रही बरसात के बावजूद काफी संख्या में क्षौरकार समाज के हेयर ड्रेसर्स, हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट इस शो का हिस्सा बने। शो का खास आकर्षण आंखों पर पट्टी बांधकर हेयर कट करने का लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड बनाने वाले सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट हरीश भाटिया की ओर से हेयर कट का लाइव डेमो रहा जिसमें उन्होंने महज पांच मिनट में शानदार हेयर कट करके दिखाया। शो में उदयपुर की चार्मी सेन ने जेंट्स हेयर कट, श्वेताशा पालीवाल ने लेडीज हेयर कट का, भीलवाड़ा के अमित दाढ़ीवाला ने ब्राइडल मेकअप और जोधपुर के गोविंद भाटी ने ब्राइडल हेयर स्टाइल का लाइव डेमो दिया। कार्यक्रम में बतौर सेलिब्रिटी मेहमान इंटरनेशनल हेयर आर्टिस्ट हरीश भाटिया व अशोक पालीवाल और बॉलीवुड मेकअप आर्टिस्ट श्याम भाटिया थे। मुख्य अतिथि नेमीचंद महाबार, कन्हैयालाल सोलंकी, संपतराज सेन, एडवोकेट शिवकुमार भाटी, एडवोकेट कालूराम भाटी, प्रहलाद खींची, नयन चौहान और शिवलाल पंवार थे। इस अवसर पर क्षौरकार समाज के वरिष्ठ लोगों को भी सम्मानित किया गया। स्व. बन्नाराम के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य आयोजक जगदीश भाटी ने बताया कि शो में क्षौरकार समाज के दो सौ से ज्यादा हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट ने हिस्सा लिया। फलौदी, पाली, बाड़मेर सहित कई जगहों से भी लोग आए।

प्रदर्शन के साथ कुलपति का घेराव

जोधपुर, (कासं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जेएनवीयू इकाई के कार्यकर्ताओं की ओर से विश्वविद्यालय की कथित अनियमिताओं के खिलाफ चल रहा धरना मंगलवार को छठें दिन भी भारी बारिश के बीच जारी रहा। विश्वविद्यालय प्रशासन की चुप्पी पर एबीवीपी के कार्यकर्ता आज कुलपति कार्यालय के भीतर धरना देकर बैठ गए और कुलपति का घेराव किया। उन्होंने कुलपति कार्यालय में ही नारेबाजी की। एबीवीपी के प्रदेश सहमंत्री सचिन राजपुरोहित ने बताया कि कार्यकर्ता छात्र संघ चुनाव बहाली, विवि परिसर में छात्रों के लिए मूलभूत सुविधा एवं सुरक्षा, फ़ीस वृद्धि को वापस लेना, भ्रष्ट शिक्षकों को तमाम प्रकार के पद से दूर करने जैसी मुख्य मांगों को लेकर आंदोलनरत है। एबीवीपी ने 13 सूत्रीय मांग पत्र दिया था। एबीवीपी का कहना है कि अब तक तीन मांगे पूरी की गई है, लेकिन शेष मांगे अधूरी है। मंगलवार को बारिश में भी केंद्रीय कार्यालय के बाहर एबीवीपी के छात्र नेता धरने पर बैठे रहे। बाद में वह उठकर कुलपति कार्यालय पहुंचे और कार्यालय के अंदर धरना देकर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने बताया कि जब तक मांगें पूरी नहीं होगी तब तक कुलपति कार्यालय में धरने पर बैठे रहेंगे। बता दे कि एक दिन पहले कुलपति कार्यालय में कुलपति और कुलसचिव के नहीं मिलने पर कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के बाहर मौन कुलपति को जगाने के लिए थाली बजाकर डमरू रखा था।

वकील आज काली पट्टी बांधेंगे

जोधपुर, (कासं)। हाईकोर्ट की एडवोकेट एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन के वकील कल बुधवार को काली पट्टी बांध कर कोर्ट में कार्य करेंगे। आज दोनों एसोसिएशन के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रतना राम ठोलिया व लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद पुरोहित ने घटना की भर्त्सना की। एडवोकेट एसोसिएशन के महा सचिव शिवलाल बरवड़ व लॉयर्स एसोसिएशन के महासचिव मनीष टाक ने बताया कि फलोदी जिले के बाप न्यायालय के अधिवक्ता किशनाराम बिश्नोई पर जनलेवा हमले व मारपीट के खिलाफ व थानाधिकारी बाप द्वारा अनुचित रुप से भू माफियाओं को संरक्षण देने पर थानाधिकारी को हटाने की मांग व मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किए जाने के विरोध में फलोदी जिले के अधिवक्ता 19 जुलाई से निरंतर न्यायिक कार्यो का बहिष्कार कर रहे हैं। जोधपुर में भी दोनों एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि घटना के विरोध में बुधवार को सभी वकील अपनी ड्रेस पर काली पट्टी बांध कर कोर्ट में उपस्थित होंगे।

डॉ. देसाई अमेरिका में लेक्चर देंगी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान मेडिकल एलूमिनाई एसोसिएशन आईएनसी (आरएजेएमएएआई), यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका द्वारा 9 से 12 अगस्त को मियामी, फ्लोरिडा मे कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य एवं नियत्रंक डॉ. रंजना देसाई को आमंत्रित किया गया है। जिसमें उनके द्वारा एक लेक्चर प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें वह अपने चिकित्सकीय अनुभव, कार्यशीलता एवं इस चिकित्सा संस्थान में उपलब्ध संसाधनों, चिकित्सकीय सेवाओं इत्यादि पर अपने विचार साझा करेगी। इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य उदेश्य समस्त चिकित्सकों के लिये ज्ञान एवं अनुभव को साझा करने, एक दूसरे के चिकित्सकीय कार्यो में सहयोग करना है।

चलती ट्रेन से गिरे अधेड़ की मौत

जोधपुर, (कासं)। सालावास गांव में रेलवे ट्रेक पर एक व्यक्ति चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। इस बारे में उसके भाई की तरफ से विवेक विहार थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक विहार पुलिस ने बताया कि लूणी के बेलदारों का बास रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले सुरेश पुत्र मोडाराम राव की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई 49 वर्षीय उगमसिंह राव बासनी से लूणी ट्रेन में आ रहा था। तब सालावास रेलवे ट्रेक के पास में वह ट्रेन से गिर गया। जिस पर गंभीर रूप से घायल होने पर अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। विवेक विहार पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया।

होटल में पकड़ा हुक्काबार, केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर की रातानाडा पुलिस ने एक होटल में चल रहे हुक्काबार पर कार्रवाई करते हुए संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहां से हुक्के और फ्लेवर को जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि रातानाडा क्षेत्र में एक होटल पर एएसआई रघुवीरसिंह मय जाब्ते ने रेड दी। यहां होटल में अवैध हुक्का बार संचालित किए जाने पर संचालक चाडी भोजासर निवासी स्वरूप सिंह पुत्र अमरसिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया।

पाली में पूर्व विधायक पारख, महेंद्र बोहरा की टीम ने बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में बांटे खाने के पैकेट

वार्ड नम्बर 5 सहित कई क्षेत्रों में पाली क्षेत्र युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गोवर्धन देवासी के नेतृत्व में लोगों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली के जल भराव वाले क्षेत्रों में पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख व सेवाभावी लोग प्रभावितों की मदद करते दिखे। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। सोमवार को पाली शहर में हुई तेज बारिश के बाद कई कॉलोनी में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। शहर की तीन दर्जन से अधिक कॉलोनियों में आज भी तीन से चार फीट पानी सड़क पर दरिया की तरह नजर आ रहा है। इस विषम परिस्थितियों में हमेशा की तरह पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख लोगों के लिए मदद के तौर पर उभर कर सामने आए है। उन्होंने बिना समय गंवाए कच्ची बस्तियां एवं वर्षा से प्रभावित करीब दो दर्जन कॉलोनीयो में कई क्षेत्रों में लोगों की सहायता के लिए टीम बनाकर कदम बढ़ाए। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कई टीमों का गठन कर लोगों की सहायता एवं सहयोग के लिए प्रभावित लोगों के पास भेजा।

पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख द्वारा शहर के अंदरूनी भागों में जहां पानी का भराव ज्यादा है, ऐसी दो दर्जन कॉलोनीयो में वहां पर सभी कॉलोनीयो मे 5 हजार से अधिक भोजन पैकेट, चाय, नाश्ते की व्यवस्था भी की गई है। स्वयं पारख नगर परिषद के पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, पूर्व उप सभापति मूलसिंह भाटी एवं भाजपा के पार्षद किशोर सोमनानी ,विकास बुबकिया, नरेश मेहता सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न मोहल्ले में जाकर भोजन के पैकेट वितरित किए गए।

पूर्व विधायक पारख ने नगर परिषद के पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा के साथ मिलकर भोजन बनाने के साथ ही उसे जरूरतमंद लोगों के पास पहुंचाने की व्यवस्था तथा विभिन्न कॉलोनी में जमा पानी की निकासी के लिए टीम का गठन किया।

उन्होंने स्वयं वर्षा से प्रभावित क्षेत्र टैगोर नगर तथा आरटीओ ऑफिस के पास जवाई नहर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने हेतु अधिकारियों को मौके पर बुलाकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ लोर्डिया फीडर का चैनल गेट बंद करवाया, जिससे शहरी क्षेत्र को अतिरिक्त पानी से नुकसान नहीं हो सके। इसके साथ ही रुप रजत विहार के सामने प्रस्तावित डी मार्ट के पास पानी की आवक के कारण शहर में तबाही मचा रहे पानी को नदी में डायवर्ट करने के लिए जेसीबी सहित कई संसाधनों की व्यवस्था कर रहे हैं।

पूर्व विधायक पारख के नेतृत्व में पानी निकासी कार्य के लिए पार्षद किशोर सोमनानी, अशोक बंजारा, तेजाराम भायल, कांतिलाल वैष्णव के साथ अन्य कार्यकर्त्ता, भोजन सामग्री तैयार करवाने में सोहन गौतम, मूलसिंह भाटी, नरेश मेहता, इंद्रजीत गौतम, मांगीलाल जोशी, मुकेश गोस्वामी, ललित कुमार, नरपत सोनी, सोनाराम चौधरी, कानाराम देवासी एवं अन्य के साथ ही भोजन वितरण करने के लिए मुकेश नाहर, अनिल चौहान, कमलेश मेवाड़ा, रितेश छाजेड़, अशोक बाफना, बहादुर सिंह जीतू बोथरा, भारत राठौड़, नरेंद्र तिवारी सहित अन्य कई कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जा रहा है। इन्होंने सोमवार को बी पाली के निकट बोमादड़ा मैं दो ट्रेन के फंसे यात्रियों को भोजन व बस की सुविधा करवाई थी

युवा कांग्रेस का मदद करो अभियान

चंद्रकांत मारू ने बताया कि वार्ड नम्बर 5 और विभिन क्षेत्रो में पाली क्षेत्र युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गोवर्धन देवासी के नेतृत्व में निचली क्षेत्रों में युवा कांग्रेस का मदद करो अभियान के तहत प्रभावितों को खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। अत्यधिक जल भराव क्षेत्र करणसिंह की चाली, पांच मोखा पुलिया , आदी क्षेत्रो में बाढ़ पीड़ित परिवारों के घरों में दूध थैली, फूड वितरित किए।

इस मौके पर मासूम अली मेव, रोहित कछवाह, पहलाद वाल्मिकी, महेंद्र सिंह , कपिल आदिवाल, रोहित मारू , खुशाल भाटी, विजय शर्मा , मनोहर भाटी, गोपाल सिसोदिया, विनोद चौहान, विनोद शर्मा, श्रवण कछवाह, गोटू डूगल्छ , नरेश चौहान, आदि देवासी आदि उपस्थित रहे।

मारपीट के आरोपी पकड़े

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पाली हाईवे पर 3 अगस्त को मिठाई व्यापारी के बेटे का किडनैप कर उससे मारपीट करने के मामले में विवेक विहार पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी।

विवेक विहार थानाधिकारी जितेंद्रसिंह ने बताया कि शिकारपुरा निवासी भंवराराम पटेल (21) के किडनैप व हमले के आरोप में पुलिस ने निम्बला निवासी महावीर पुत्र देवाराम पटेल, पवन पुत्र पूनाराम जाट, देवाराम पुत्र प्रभूराम, दिनेश पुत्र देवाराम व सुमेर पुत्र मदनलाल पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों से भंवराराम पटेल के अपहरण व मारपीट के कारणों को लेकर पूछताछ में आपसी रंजिश का कारण सामने आ रहा है।

विवेक विहार पुलिस के अनुसार 4 अगस्त को पुलिस ने शिकारपुरा निवासी भंवाराराम पटेल का हॉस्पिटल में पर्चा बयान लिया था।

पीड़ित ने बताया कि 3 अगस्त को वह अपने बाइक पर बुआ के लड़के के साथ मोगड़ा की तरफ गया था। वापस लौटते समय भारतबेज के पास उसकी बाइक को एक बिना नम्बर की केम्पर ने रुकवाई । उसमें से सुरेश भाणिया पिस्टल लेकर उतारा और उसके सिर पर तान ली।

उसके साथ दिनेश, महावीर व सुमेर ने सिर पर पिस्टल लगाकर गाड़ी में बैठा दिया। पहले उसे होटल जम्भेश्वर निमला लेकर गए।

वहां उसके साथ मारपीट करने के बाद उसे खारा बेरा रोड पर लेकर गए और वहां उससे बुरी तरह मारपीट की और चाकू से हमला किया। इसके बाद उसे घायल हालत में कांकाणी यूको बैंक के पास फेंककर फरार हो गए।

मामला दर्ज करने के बाद से ही पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई। तथा दो दिन के भीतर ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल, जल भराव क्षेत्रों में अपनी परवाह किये बिना जुटे हैं विद्युत कर्मी

पाली जिले में जोधपुर डिस्कॉम के तीनों सहायक अभियंता कार्यालय से अभियन्ता एवं तकनीकी टीम बरसात से प्रभावित हुई विद्युत व्यवस्था को सुचारू करने में जोरों से जुटे हुए हैं। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर में रविवार रात से सोमवार शाम तक हुई लगातार बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो गया बारिश के दौरान जोधपुर डिस्कॉम द्वारा एहतियातन विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई थी। बारिश के थमने के बाद पाली शहर में जोधपुर डिस्कॉम के तीनों सहायक अभियंता कार्यालय से अभियन्ता एवं तकनीकी टीम द्वारा जलमग्न क्षेत्र में विद्युत लाइनों की अथक प्रयास से पेट्रोलिंग कर कई जलमग्न क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति पुनः सुचारू की।

विद्युत कर्मी जलमग्न क्षेत्रो में अपनी जान की प्रवाह किये बीना अपनी सेवाएँ दे रहे है । निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तत्परता से पाली शहर के कई जलमग्न क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति सुधारित कर दी गई है। शेष जलमग्न क्षेत्रो में पानी के भराव कम होते ही विद्युत आपूर्ति। सुचारू करने की कार्यवाही की जायेगी।

अधीक्षण अभियंता अजय माथुर ने बताया की बारिश के मध्यनजर विद्युत जनित हादसे से बचने के लिये पाली शहर के सभी 33/11 केवी सबस्टेशनो से जुड़े विद्युत तंत्र की एहतियातन विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई थी। उक्त 12-15 घण्टे की बारिश के कारण पाली शहर में नया गांव, रजत विहार, सुंदर नगर, पांच मौखा, आशापुरा नगर, जवाहर नगर, खोडिया बालाजी, चादर वाले बालाजी, पुनायता रोड, शेखावत नगर, रामदेव रोड, विकास नगर, मोहन नगर, चारभुजा नगर, पंचम नगर दुर्ग कॉलोनी, बीपीएल कॉलोनी, राम रहीम कॉलोनी, पीएनटी कोलोनी, राईकों की ढाणी, राजेन्द्र नगर, सोसायटीनगर, आनन्द नगर गुरु नगर, मणी नगर, सरदार समन्दरोड़, भालेलाव रोड, सर्वोदय नगर, पुलिस लाईन, हाउसिंग बोर्ड, सुभाष नगर रेलवे स्टेशन आदि क्षेत्रो की कोलानियों में 3-4 फिट पानी भरजाने से बाढ़ के हालात हो गये। पाली शहर के तीनो उपखण्ड कार्यालय अधिनस्थ 33/11 केवी सबस्टेशन विद्युत नगर, राजेन्द्र नगर, चतुर्थ फेज, नेकस्ट जैन, हाऊसिंह बोर्ड, पुनायता, मण्डियारोड़, नयागांव, आदर्श नगर, बांगड कॉलेज, टेगोर नगर, एवं सब्जीमण्डी आदि से जुड़े 11 केवी फीडरो की विद्युत आपूर्ति जल भराव के कारण बाधित हुई है। अधिकांश क्षेत्रो की विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी गई है।

33/11 केवी सबस्टेशन रामदेव रोड एवं मण्डियारोड में पानी भराव ज्यादा होने के कारण रामदेव रोड सबस्टेशन से जुड़े 11 केवी फिडरों (रामदेवरोड़, पानीदरवाजा, पालबालाजी, जय नगर, केरिया दरवाजा एवं मोहन नगर) की विद्युत आपूर्ति अभी भी बाधित है, जय नगर फीडर से जुडे उपभाक्ताओ को हाऊसिंह बोर्ड सबस्टेशन से जोड़कर विद्युत आपूर्ति सुचारु देने का कार्य प्रगति पर है। शेष पानी के भराव कम होते ही विद्युत आपूर्ति सुचारु करने की कार्यवाही की जायेगी। मण्डियारोड सबस्टेशन से जुड़े 11 केवी फिडरों की विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी गई है। परन्तु सबस्टेशन में अभी भी पानी भरा हुआ है। विद्युत नगर सबस्टेशन से जुड़े 11 केवी रेल्वे स्टेशन फीडर से जुडे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति अभी भी पानी भराय के कारण बाधित है। जहां पर वितरण ट्रांसफार्मरी पर लगे पिलर बोक्स में पानी जलभराव के कारण पहुंच गया है वहां की विद्युत आपूर्ति अभी बाधित है। पानी भराव हटते ही उसकी जांच कर विद्युत आपूर्ति सुचारु की जायेगी।

उन्होंने आम जन से अपील की है बरसात एवं पानी भराव के दौरान निम्न जागरुकता बरते एवं कुछ समय तक विद्युत आपूर्ति सुचारु होने का इंतजार करे क्योंकि बारिश के दौरान विद्युत प्रभाव के कारण कोई भी क्षित हो सकती है। बिजली के खंभों को छूने से बच्चे, बिजली के खंभों से अपने मवेशियों को ना बांधे, बिजली खंभे पर यदि स्पार्किंग हो रही हैं या बारिश की वजह से कोई लाइन ढीली पड़ गई हो या सड़क के उपर से नीची हो तो तुरंत अपने फीडर इंचार्ज (लाइनमैन), कनिष्ठ अभियन्ता, संबंधित सब स्टेशन पर सूचना देवे, बिजली के तार किसी पेड़ के निकट से गुजर रहे हो तो किसी भी स्थिति में उस पर चढ़ने से बचे, घर के अंदर बिजली फिटिंग में अर्थिंग जरूर कराएं व अपने उपकरण को उससे जोड़ रखे एवं कोई व्यक्ति बिजली के गिरफ्त में हो तो तुरंत उसे बचाने हेतु सबसे पहले अपने आपको किसी सुखी जगह पर होना सुनिश्चित करें फिर अपने जूते जो भीगे ना हो, कोई भी धातु लगे ना हो, वह पहने, फिर किसी इंसुलेटेड डंडे (प्लास्टिक, लकड़ी जो सुखा हो) से व्यक्ति को छुड़ाने का प्रयास करे, यदि शोक घर के अंदर लगा है तो तुरंत मेन स्विच ऑफ करे। प्रभावित व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल ले जाएं। बिजली गुल होती हैं तो हंगामा ना करे शांत रहे, ये सोचिए कि आप बारिश में भीगने से भी डरते हो, इन विपरित परिस्थितियों में भी कर्मचारीअपनी जान जोखिम में डालकर किसी खंभे पर या सब स्टेशन पर बिजली तारों से जूड़ा रहा होता है। इसकी जानकारी को सभी के साथ शेयर करें और विद्युत प्रवाह से हाने वाले हादसे से बचे व बचाएं। विद्युत संबंधी शिकायते इन नम्बरो पर दर्ज करायें।

विद्युत लाईन में फॉल्ट व विद्युत आपूर्ति में व्यवधान संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए वृत स्तर पर नियंत्रण कक्ष व हेल्प डेस्क 24 घंटे, वहीं उपखण्ड स्तर पर हेल्प डेस्क कार्यालय समय में कार्य कर रही है। आमजन व विद्युत उपभोक्ता अपनी शिकायत निगम द्वारा निर्धारित टोल फ्री नंबर, वाट्सअप नम्बर एवं हेल्प डेस्क के साथ नियंत्रण कक्ष पर भी शिकायत दर्ज कराकर समस्या का निस्तारण करा सकते हैं।

5-5 हजार रुपये के ईनामी आरोपी संदीप व सतनाम सिंह गिरफ्तार

बालोतरा, (नि.सं.)। कुंदन कंवरिया आईपीएस, पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा ने बताया कि जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड हेतु चलाये गये विषेश अभियान के तहत जारी दिषा-निर्देषानुसार धर्मेन्द्र कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा के सुपरविजन में श्री दषरथसिंह, पुलिस उप अधीक्षक वृत पचपदरा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा प्रकरण में दो साल से फरार 5-5 हजार के ईनामी अपराधी संदीप व सतनामसिंह को क्रमषः जोधपुर व छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेष से दस्तयाब कर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

दिनांक 16.06.2022 को प्राथी पुखराज पुत्र दौलाराम जाति भील निवासी मंडापुरा ने उपस्थित पचपदरा थाना होकर एक लिखित रिपोर्ट पेष की कि मैं मेरा ट्रेक्टर लेकर मूंगडा से पचपदरा की तरफ आ रहा था, जैसे ही मैं मण्डापुरा में वीआरसी कम्पनी के आगे पहुंचा तो पीछे से मुलिजम संदीप वगैरा आये तथा मुझे जातिगत षब्दों से अपमानित करते हुए गम्भीर मारपीट की। वगैरा रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान षुरू किया गया।

प्रकरण में पूर्व में मुलजिम शिवराजसिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया। अन्य मुलजिमों की तलाष जारी रही। मुलजिमान अपने ठिकाने बदलते रहे तथा पुलिस टीम द्वारा दबिश की भनक लगने पर फरार हो जाते थे। जिस पर मुलजिम संदीप व सतनाम पर कार्यालय पुलिस अधीक्षक बालोतरा द्वारा 5-5 हजार रूपये के ईनाम की घोशणा कर विषेश पुलिस टीम का गठन किया गया।

गठित विषेश पुलिस टीम द्वारा मुलजिमानों के संभावित रहवासी कई ठिकानों पर लगातारी दबीषें दी जाकर तकनीकी सहयोग एवं आसूचना संकलन के आधार पर प्रकरण की घटना में षरीक मुलजिम प्रिंस उर्फ सतनामसिंह को छिंदवाडा, मध्यप्रदेष तथा मुलजिम संदीप को जोधपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

पहाड़ी पर 20 हजार सीड बॉल का छिड़काव किया

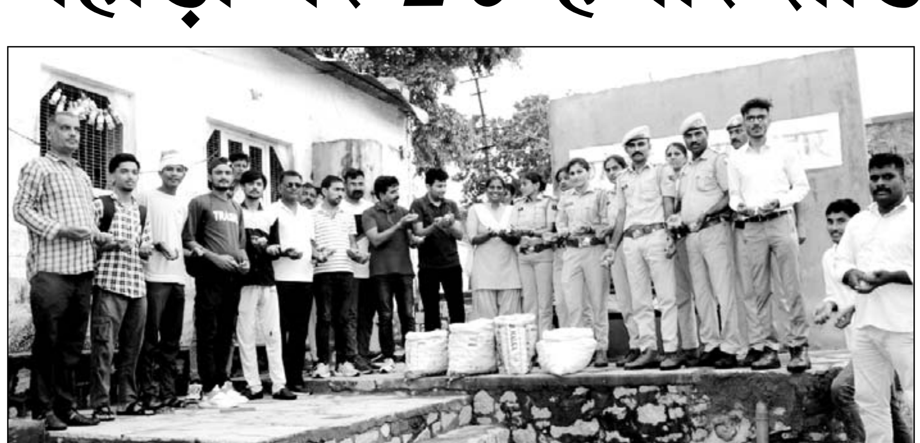

जालोर में सीड बॉल के छिड़काव में वन विभाग का पर्यावरण प्रेमियों ने सहयोग किया। फोटो-राष्ट्रदूत

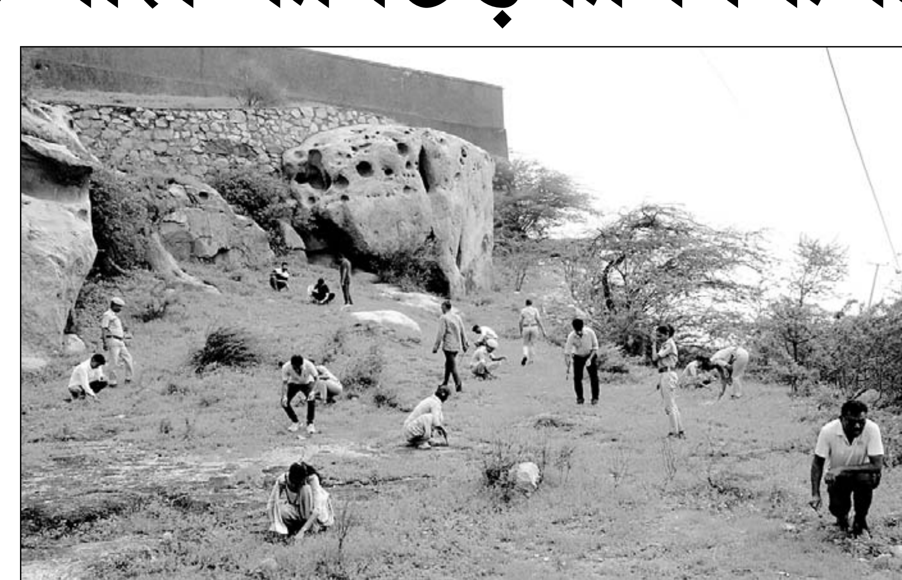

वन विभाग ने जालोर दुर्ग पहाड़ी पर विशेष कार्यक्रम करस्थानीय शहरवासियों के सहयोग से पौधों के अंकुरण के लिए मिट्टी, गोबर व बीज के मिश्रण से बनाई सीड बॉल का छिड़काव किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (नि.सं.)। वन विभाग द्वारा मानसून के दौरान जालोर दुर्ग पहाड़ी पर मंगलवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित स्थानीय शहरवासियों के सहयोग से विभिन्न प्रजातियों के पौधों के अंकुरण के लिए मिट्टी, गोबर व बीज के मिश्रण से बनाई गई 20 हजार सीड बॉल का छिड़काव किया गया।

उप वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि मानसून में अच्छी बरसात के उपरांत जालोर दुर्ग पहाड़ी को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा जन सहयोग के माध्यम से 20 हजार सीड बॉल का छिड़काव किया गया।

हरियाली तीज पर पौधे लगाकर जियो टैंगिंग होगी

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान ''हरियालो-राजस्थान'' (एक पेड़ मां के नाम) के तहत 7 अगस्त को हरियाली तीज पर दोपहर 1 बजे शीतला माता मंदिर के पास मोसली नाड़ी स्थल पर सघन वृक्षारोपण के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री के.के.विश्नोई, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग व प्रभारी सचिव विश्व मोहन शर्मा सम्मिलित होंगे।

जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान ''हरियालो-राजस्थान'' (एक पेड़ मां के नाम) के तहत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में एक साथ 8 हजार पौधे लगाकर उनकी जियो टैंगिंग की जायेगी एवं मिशन ''हरियालो राजस्थान'' में सहभागिता के लिए हरियोला एप आमजन को डाउनलोड करवाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जायेगा।

गौरतलब हैं कि ''हरियालो राजस्थान'' अभियान के तहत जिला प्रशासन के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों सहित आम नागरिकों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा हैं।

अब समय आ गया है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखें, जवाबदेह बनें और सरकार से पूरा समर्थन मिलने के बाद परिणाम देना शुरू करें। खिलाड़ियों को तैयार करने में कमी के लिए कोच को जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराया जाता? - **प्रकाश पादुकोण**

पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी, लक्ष्य सेन की हार पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिनेश कार्तिक

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को मंगलवार को पार्ल रॉयल्स ने एसए-20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंधित किया जिससे वह अगले साल नौ जनवरी से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीकी टी-20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गए। आईपीएल में लंबे समय तक खेलने वाले 39 वर्षीय कार्तिक ने इस साल जून में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और भारत के लिए तीनों प्रारूपों में 180 मैच खेलने वाले कार्तिक ने कहा, "दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की मेरी बहुत सारी यादें हैं और जब यह अवसर आया तो मैं मना नहीं कर सका।

क्या आप जानते हैं ?... स्वीटजरलैंड (1954) में हुए पांचवें विश्वकप फुटबॉल में खेले ये 26 मैचों में रिकॉर्ड तोड़ 140 गोल हुए। औसत 5.38 गोल प्रति मैच।

पेरिस ओलिंपिक में चौथा मेडल विनेश के नाम

यूसनेलिस को हराकर विनेश महिला कुश्ती के फाइनल में

विनेश ओलिंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी

पेरिस, 6 अगस्त। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल मुकाबलों में लगातार शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए क्यूबा की युसनेलिस गुजमान लोपेज को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है।

इस जीत के साथ विनेश ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गईं। 29 वर्षीय विनेश ने पेरिस ओलंपिक में पदक पक्का कर लिया है। यह ग्रीष्मकाली खेलों में उनका पहला

पदक होगा। सेमीफाइनल में विनेश ने पहले पीरियड में पैसिविटी के जरिए 1-0 की बढ़त ली। दूसरे पीरियड में वह और अधिक आक्रामक नज़र आईं और अपनी बढ़त को 5-0 करते हुए मुकाबला जीत लिया। इससे पहले फोगाट ने क्वार्टरफाइनल मैच में यूक्रेन की ओक्साना लिवाच को 7-5 हराया। फोगाट ने मैच के पहले पीरियड में 2-0 की बढ़त ले ली। दूसरे पीरियड में लिवाच ने मजबूत वापसी की लेकिन फोगाट ने अपनी चुनौती बरकरार रखी और यूक्रेनी पहलवान को हरा दिया। इससे पहले फोगाट ने प्री-क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन जापान की युई सुसाकी को हराया था। उससे पहले फोगाट ने महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में जापान की टोक्यो 2020 चैंपियन युई सुसाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पहले पीरियड के बाद सुसाकी ने मुकाबले में 1-0 से बढ़त बना ली। विनेश ने दूसरे पीरियड में शानदार वापसी करते हुए जापानी पहलवान को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

स्पेन को रौंदकर नीदरलैंड पहुंचा पुरुष हॉकी के फाइनल में

पेरिस, 6 अगस्त। नीदरलैंड मंगलवार को पेरिस ओलंपिक खेलों के पुरुष हॉकी पहले सेमीफाइनल में मुकाबले स्पेन को हराकर फाइनल में पहुंच गया है। आज यहां खेले गये

मुकाबले में नीदरलैंड ने स्पेन को 4-0 से हराकर प्रतियोगिता में एक पदक पक्का कर लिया है। यह ग्रीष्मकालीन खेलों में नीदरलैंड का 10वां पदक है। नीदरलैंड फाइनल मुकाबले में गुरुवार को भारत और जर्मनी के बीच सेमीफाइनल मैच के विजेता से भिड़ेगा। नीदरलैंड की ओर से जिप जानसेन ने 12वें मिनट में पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद थियरी ब्रिंकमैन ने 20वें मिनट में गोलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। थिज्स वैन डैम ने 32वें मिनट और डुको टेलजेनकैंप ने 50वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। क्वार्टरफाइनल मैच में बेल्जियम को हराने वाला स्पेन अब कांस्य पदक के लिए खेलेगा।

निक हॉकली क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख कार्यकारी के पद छोड़ेंगे

सिडनी, 6 अगस्त। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकली ने घोषणा की है कि पांच साल पद पर बने रहने के बाद वह मार्च 2025 में अपना पद

छोड़ देंगे। हॉकली ने कोरोना महामारी के दौरान ऐसे समय में अंतिरम रूप से पद संभाला था जब सीए कई आंतरिक संकटों से जूझ रहा था। मई 2021 में उन्हें स्थायी पदभार मिला था और उन्होंने कोरोना महामारी और अन्य प्रतिबंधों के बीच भारत दौरे का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सीरीज की मेजबानी से सीए को आर्थिक बल भी मिला। हॉकली ने कहा, पद छोड़ने का निर्णय, एक कठिन निर्णय था, लेकिन पांच वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद यह सही समय होगा कि मैं आगे बढ़ूं और कोई नई चुनौती लूं। मैं अगले साल मार्च में हटूंगा, तब तक बोर्ड के पास समय भी रहेगा कि वे अपना नया सीईओ ढूंढ लें। हॉकली का अंतिम असाइनमेंट फिर से भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा। इसके अलावा जनवरी में होने वाली महिलाओं की ऐशेज भी उनकी जिम्मेदारी होगी।

अरशद नदीम फाइनल में पहुंचने वाले पाक के इकलौते एथलीट

पेरिस, 6 अगस्त। जैवलिन थ्रोअर अरशद नदीम ने पाकिस्तान की लाज बचा ली। दरअसल, महज 7 एथलीट्स के दल का नेतृत्व करने वाले पाकिस्तान की तरफ से अरशद

नदीम पर पदक लाने का भार है। अन्य 6 पाकिस्तानी एथलीट अपने-अपने खेलों में पहले दौर से ही बाहर हो गए थे। इसके बाद पूरे पाकिस्तान की नजरें अब अरशद पर हैं। खैर अरशद ने जैवलिन थ्रो के क्वालिफिकेशन इवेंट में 86.59 मीटर थ्रो कर सीधे फाइनल में एंट्री कर ली है। एशियन गेम्स के रिकॉर्ड होल्डर (90.18 मीटर थ्रो) टोक्यो ओलंपिक में फाइनल में पहुंच थे। लेकिन 5वें स्थान पर रहे, जिससे वो पोडियम फिनिश नहीं कर पाए। उनके पास 8 अगस्त को खुद को साबित करने का मौका है। हालांकि, अरशद के लिए नीरज चोपड़ा, एंडरसन पीटर्स, जैकब वडलेज्च और जूलियन वेबर जैसे खिलाड़ियों के बीच अपनी जगह बना पाना मुश्किल होगा। बता दें कि, पाकिस्तान ने 1992 में बार्सिलोना के बाद से ओलंपिक में कोई भी मेडल नहीं जीता है। सियोल 1988 में हुसैन शाह ने कांस्य पदक जीता था जो उनका व्यक्तिगत पदक था।

नीरज का गोल्डन आर्म फिर से गोल्ड के लिए तैयार

नीरज चोपड़ा ने 89.34 मीटर भाला फेंक फाइनल में की एंट्री, किशोर जेन नहीं कर पाए क्वालीफाई

पेरिस, 6 अगस्त। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के भाला फेंक के क्वालिफिकेशन राउंड में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.34 मीटर थ्रो के साथ फाइनल में जगह बना ली है। वहीं ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स भी ग्रुप बी से फाइनल में जगह बनाने वाले तीसरे एथलीट रहे। दो बार के विश्व चैंपियन पीटर्स ने आज स्टेड डी फ्रांस में सीजन का सर्वश्रेष्ठ 88.63 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो फेंका और अरशद नदीम से आगे लेकिन नीरज चोपड़ा से पीछे रहे।

भारतीय एथलीट किशोर जेना 80.73 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक क्वालिफिकेशन स्पर्धा के ग्रुप ए में आठवें स्थान पर रहे। हालांकि वह दूसरे प्रयास में एक वैध प्रयास दर्ज करने में असफल रहे और तीसरे में केवल 80.21 मीटर का थ्रो ही कर सके।

अब तक कुल सात एथलीटों ने 84.00 मीटर के क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड को पार करते हुए गुरुवार के पदक स्पर्धा में अपनी जगह पक्की कर ली है। नीरज चोपड़ा के प्रतिद्वंद्वियों में से एक पाकिस्तान के अरशद नदीम भी स्टेड डी फ्रांस में पुरुषों के भाला फेंक फाइनल में पहुंच गए। क्वालिफिकेशन राउंड के ग्रुप बी में पांचवें स्थान पर रहते हुए नदीम ने अपने पहले प्रयास में 86.59 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और आसानी से क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड को पार करते हुए मेडल राउंड में जगह बनाई। अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा ने पिछले कुछ वर्षों में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी है जिसमें भारतीय भाला फेंक एथलीट हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 9-0 से आगे हैं। हालांकि कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में नदीम का 90.18 मीटर व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चोपड़ा के 89.94 मीटर के शीर्ष प्रयास से आगे है। आज यहां हुये मुकाबले में चोपड़ा ने पहले प्रयास पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में अपना अभी तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.34 मीटर दर्ज किया। वहीं जर्मन एथलीट अपने तीन प्रयासों के बावजूद 85.64 मीटर की दूरी ही दर्ज कर सके। पेरिस ओलंपिक में फाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय भाला फेंक एथलीटों को ओवरऑल क्वालिफिकेशन स्टैंडिंग (ग्रुप ए और ग्रुप बी सहित) में कम से कम 12 सर्वश्रेष्ठ एथलीटों के बीच रैंक करना होगा।

भारत ने ओलिंपिक हॉकी सेमीफाइनल गंवाया

जर्मनी 3-2 से जीता, कांस्य पदक के लिए मैच खेलेगी इंडिया

पेरिस, 6 अगस्त। पेरिस ओलिंपिक के सेमीफाइनल में भारत ने हॉकी का सेमीफाइनल गंवा दिया है। टीम को जर्मनी ने 3-2 से हरा दिया। सेमीफाइनल जीतने वाली टीम फाइनल में नीदरलैंड का सामना करेगी। नीदरलैंड ने पहले सेमीफाइनल में स्पेन को 4-0 से हराया। दूसरा सेमीफाइनल हारने वाली टीम ब्रॉन्ज मेडल मैच में स्पेन से भिड़ेगी। भारत अगर जीता तो 44 साल बाद ओलिंपिक हॉकी के फाइनल में पहुंचेगा। इंडिया ने आखिरी फाइनल 1980 के मॉस्को ओलिंपिक में खेला था। इसी मैदान पर इंडिया ने पेरिस ओलिंपिक के क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। जर्मनी से गोनजालो पीलैट ने 18वें, क्रिस्टोफर रूहर ने 27वें और मार्क मिल्टकाऊ ने 54वें मिनट में गोल किया। भारत से हरमनप्रीत सिंह ने 7वें और सुखजीत सिंह ने 36वें मिनट में गोल किया था। चौथे क्वार्टर में जर्मनी ने 54वें मिनट में गोल कर 3-2 की बढ़त बना ली। टीम से मार्क मिल्टकाऊ ने फील्ड गोल किया और बढ़त ली।

किरण 400 मटीर के सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूकी

पेरिस, 6 अगस्त। भारतीय धावक किरण पहल मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 400 मीटर रेपेचेज राउंड की हीट 1 में छठे स्थान पर रहीं। आज यहां हुई स्पर्धा में पहल ने रेपेचेज राउंड में 52.59 सेकेंड का समय लिया। जोकि पहले राउंड में उनके 52.51 सेकेंड के समय से कम था।

टेबल टेनिस में मिली निराशा

पुरूष व महिला टीम क्वार्टरफाइनल में हारे

पेरिस, 6 अगस्त। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का बुधवार को पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में महिला टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल मैच में जर्मनी से मुकाबला होगा। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा की दो जीत की बदौलत 11वीं वरीयता प्राप्त भारत ने प्री क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त रोमानिया को 3-2 से हरा दिया था।

पेरिस 2024 में पांचवीं वरीयता प्राप्त जर्मनी ने अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मैच में अमेरिका को हराया। भारत बनाम जर्मनी महिला टीम क्वार्टरफाइनल मैच सात अगस्त को साउथ पेरिस एरिना में खेला जाएगा। इस मैच के विजेताओं का सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जापान या 13वीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड से मुकाबला होगा।

इससे पहले शरत कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम को पेरिस ओलंपिक में मंगलवार को हुये राउंड ऑफ 16 मुकाबले में चीन से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा है।

आज यहां हुये मुकाबले में देसाई और ठक्कर युगल प्रतियोगिता का पहला मैच मा लोंग और वांग चुकिन के खिलाफ सीधे गेम (11-2, 11-3, 11-7) में हार गए। इसके बाद शरत कमल पेरिस 2024 एकल स्वर्ण पदक विजेता फैन जेंडॉन्ग के खिलाफ शुरुआती बढ़त लेने के बावजूद, चीनी पैडलर ने दूसरा मैच 9-11, 11-7, 11-7, 11-5 से जीत लिया। तीसरे गेम में, ठक्कर का वांग चुकिन से कोई मुकाबला नहीं था। वांग चुकिन ने 11-9, 11-6, 11-9 से जीत हासिल की। इस हार से भारतीय पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ियों का पेरिस ओलंपिक में अभियान समाप्त हो गया।

प्रो. कबड्डी लीग आगाम सीजन के लिए रिटेन किए गए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

मुंबई, 6 अगस्त। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने मंगलवार को सीजन 11 के लिए 'एलीट रिटेन खिलाड़ी', 'रिटेन युवा खिलाड़ी' और 'मौजूदा नए युवा खिलाड़ी' वर्ग में शामिल खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। प्रत्येक फ्रैंचाइजी ने खिलाड़ियों के एक मजबूत कोर ग्रुप को बरकरार रखा है और अब वे सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन की मदद से एक मजबूत टीम का निर्माण करना चाह रही है।

दबंग दिल्ली के.सी. ने आशु मलिक और नवीन कुमार की अपनी रेडर जोड़ी को अपने साथ बरकरार रखा है। इस बीच, सीजन 10 में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले स्टार रेडर और कप्तान असलम इनामदार को पुनेरी पल्टन ने बरकरार रखा है। इसके अलावा, जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को बरकरार रखा है। देशवाल पिछले सीजन में टीम के कप्तान भी थे। कुल 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में बरकरार रखा गया, जिनमें से 22 एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स श्रेणी से, 26 रिटेन्ड यंग प्लेयर्स श्रेणी से और 40 मौजूदा नए युवा खिलाड़ी से हैं।

जिन खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया गया उनमें पवन सेहरावत, परदीप नरवाल, मनिंदर सिंह, फज़ल अत्राचली और मोहम्मदरेज़ा शादलोई चियानेह जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। ये सभी 15-16 अगस्त 2024 को मुंबई में होने वाले पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर ऑक्शन में नीलामी के लिए जाएंगे।

घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों को पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर नीलामी में चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। ये श्रेणियां- ए, बी, सी और डी होंगी। खिलाड़ियों को प्रत्येक श्रेणी में ऑल-राउंडर, डिफेंडर और रेडर के रूप में उप-विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी के लिए आधार मूल्य (बेस प्राइस) इस प्रकार है। श्रेणी ए - 30 लाख रुपये, श्रेणी बी - 20 लाख रुपये, श्रेणी सी - 13 लाख रुपये, श्रेणी डी - 9 लाख रुपये है। सीज़न 11 के प्लेयर पूल में 500 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे।

नीरज ने की विनेश की तारीफ

पेरिस, 6 अगस्त। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने महिला पहलवान विनेश फोगाट की जीत पर उनकी तारीफ की है। नीरज ने अपने थ्रो के बाद पेरिस में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, यह असाधारण जीत है। सुसाकी को हराना अकल्पनीय है। ओलंपिक और विश्व चैंपियन ने विनेश को शुभकामनाएं देते हुए कहा, उन्होंने जो कुछ भी झेला है उसके बाद उसने जो प्रयास किया है।

श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया को उलटफेर से बचना होगा

करो या मरो की स्थिति में मारनी पड़ेगी बाजी, स्पिनर्स के अनुकूल रहेगी पिच

कोलंबो, 6 अगस्त। भारत और श्रीलंका के बीच बुधवार 7 अगस्त को तीसरा और आखिरी वनडे मैच खेला जाएगा। फिलहाल तीन मैचों की वनडे सीरीज में श्रीलंका 1-0 से आगे है जबकि एक मैच दोनों टीमों के बीच टाई हुआ था। जिस कारण टीम इंडिया के लिए ये मुकाबला करो या मरो की स्थिति वाला होगा। इसके साथ ही विराट कोहली, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

बता दें कि, 27 सालों से भारत श्रीलंका से कोई वनडे सीरीज नहीं हारा है। इस मतलब ये है कि, मेजबान के घर में भारत की बादशाहत पर भी खतरा है। अब देखना होगा कि भारतीय क्रिकेट के गंभीर युग में ये बरकरार रहती है या फिर श्रीलंका कोई उलटफेर करता है। भारत पिछली बार 1997 में श्रीलंका में 0-3 से वनडे सीरीज हारा था। उस दौरान सचिन तेंदुलकर टीम के कप्तान थे।

भारत और श्रीलंका के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली गई हैं। भारत एक भी हारा नहीं है। हालांकि, दूसरे वनडे में 32 रन की हार और पहले मैच में बराबरी के बाद भारत की मौजूदा सीरीज जीतने की संभावना खत्म हो गई है। भारतीय टीम श्रीलंका में इसलिए संघर्ष कर रही क्योंकि भारतीय बल्लेबाज श्रीलंका के स्पिन गेंदबाजों का सामना नहीं कर पा रहे हैं।

विराट कोहली श्रीलंकाई स्पिनर के सामने बेबस नजर आ रहे हैं। उन्होंने 2 मैच में 38 रन ही बनाए हैं। उनके आउट होने से ज्यादा परेशान करने वाली बाय ये है कि वे रन नहीं बना पाए, जिससे उनमें संयम की कमी दिखाई दी। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच आमतौर पर स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल होती है। दूसरे वनडे में ये विशेष रूप से स्पष्ट था, क्योंकि स्पिनर ने 19 में से 15 विकेट लिए।

ये लड़की देश के सिस्टम से हार गई थी : पूनिया

विनेश फोगाट के सेमीफाइनल में पहुंचने पर बोले बजरंग पूनिया

नई दिल्ली, 6 अगस्त। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट, जो पिछले साल काफी विवादों में रहीं, ने पेरिस ओलंपिक में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की युई सुसाकी को हरा दिया। विनेश की जीत शीर्ष वरीयता प्राप्त जापानी सुसाकी के लिए अंतरराष्ट्रीय सर्किट में पहली ऐतिहासिक हार का भी प्रतीक है, जिन्होंने 2020 में टोक्यो खेलों के दौरान अपनी पकड़ के दौरान एक भी अंक नहीं गंवाया था। भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया, जो डब्ल्यूएफआई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान फोगट के साथ थे, ने विनेश के मुकाबले के नतीजे पर खुशी साझा की। बजरंग पुनिया ने एक्स पर लिखा कमाल कर दिया लड़की ने। एक अन्य पोस्ट में उन्होंन लिखा कि विनेश फोगाट भारत की वो शेरनी जिसने आज बैक टू बैक मैच में 4 बार की वर्ल्ड चैंम्पियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन को हराया। उसके बाद क्वार्टरफाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंम्पियन को हराया। मगर एक बात बताऊं, ये लड़की अपने देश में लातों से कुचली गई थी। ये लड़की अपने देश में सड़कों पर घसीटी गई थी। ये लड़की दुनिया जीतने वाली है मगर इस देश में सिस्टम से हार गई थी।

आईसीसी ने महिला टी-20 विश्वकप के लिए वैकल्पिक स्थल चिन्हित किए

दुबई, 6 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल के आखिर में बंगलादेश में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप आयोजन के लिए वैकल्पिक स्थल के रुप में भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और श्रीलंका को चिन्हित किया है। आईसीसी के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि बंगलादेश की स्थिति पर नज़र रखी जा रही है और सभी विकल्प खुले रखे गए हैं। आईसीसी के बयान में कहा गया, आईसीसी , बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ इस पूरी स्थिति पर नजर बनाये हुये है। हमारी प्राथमिकताओं में सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और उनकी देख-रेख शामिल है। बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि इस वैश्विक टूर्नामेंट को किसी और देश में आयोजित कराया जाए। इस तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए आईसीसी ने भारत, यूएई और श्रीलंका को वैकल्पिक स्थल के रूप में चिन्हित किया है। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में पिछले कुछ हफ्तों से सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है जिसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत की सरकारों ने सोमवार के घटनाक्रम के बाद अपने नागरिकों को बंगलादेश की यात्रा नहीं करने की सलाह जारी की है। ये तीनों देश टी-20 विश्वकप का भी हिस्सा हैं।

अंतिम पंघाल का मुकाबला जेनेप येटगिल से

पेरिस, 6 अगस्त। भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल का बुधवार को पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में महिलाओं के 53 किग्रा फ्रीस्टाइल प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में तुर्की की जेनेप येटगिल से मुकाबला होगा। चौथी वरीयता प्राप्त 19 वर्षीय पंघाल पेरिस में सबसे कम उम्र के भारतीय पहलवान हैं। वह दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता हैं। अगर पंघाल मैच जीतती हैं तो क्वार्टरफाइनल में उसका सामना जर्मनी की अन्निका वेंडल या यूनान की पांचवीं वरीयता प्राप्त मारिया प्रेवोलाराकी से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त इक्वाडोर की लूसिया येपेज संभावित सेमीफाइनलिस्ट हो सकती हैं। जापान की अकारी फुजिनामी का लगातार सौ से अधिक मैचों में अजेय प्रदर्शन रहा है, ड्रा के दूसरे भाग में हैं। वह दो बार की विश्व चैंपियन, एशियाई खेलों 2022 की स्वर्ण पदक विजेता और दो बार की एशियन चैंपियन भी हैं। चीन से टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता पैंग कियानयू भी पेरिस 2024 के लिए महिलाओं के 53 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती ड्रा में फुजिनामी के साथ शामिल हैं।

नदीम ने नीरज को दी शुभकामनाएं

पेरिस, 6 अगस्त। पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम ने भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को फाइनल के लिए शुभकामनाएं दी है। आज पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने वालों में 12 एथलीटों में नीरज चोपड़ा और अरशद शामिल है। चोपड़ा और नदीम ने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है और मैदान पर बेहद प्रतिस्पर्धी भी रहे हैं। नदीम ने हमेशा की तरह नीरज को गुरुवार के फाइनल मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। नदीम ने कहा, प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रत्येक एथलीट का लक्ष्य अपनी क्षमता का सर्वोत्तम प्रयास करना और प्रदर्शन करना रहता है। मैं नीरज को शुभकामनाएं देता हूं। वह और मैं दोनों अपने-अपने देशों के लिए अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, यह मुझे बहुत खुशी देता है कि दक्षिण एशिया से हम केवल दो ही हैं, मैं और नीरज भाई, जो नीरज के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाले अन्य खिलाड़ियों के साथ विश्व मंच पर प्रदर्शन कर रहे हैं। अपने-अपने देशों के लिए प्रदर्शन करें और विश्व स्तर पर अपने देशों का नाम रोशन करें। उल्लेखनीय है कि भाला फेंक क्वालिफिकेशन स्पर्धा में नीरज ने अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर के शानदार थ्रो के साथ फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल आठ अगस्त को पेरिस के स्टेड डी फ्रांस में होगा। नदीम ओलंपिक के इतिहास में किसी भी ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धा के फाइनल में क्वालीफाई करने वाले पहले पाकिस्तान एथलीट हैं। क्वालिफिकेशन राउंड के ग्रुप बी में पांचवें स्थान पर रहते हुए नदीम ने अपने पहले प्रयास में 86.59 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और आसानी से क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड को पार करते हुए पदक राउंड में जगह बनाई।

सुंदर जुलाई माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामांकित

पेरिस, 6 अगस्त। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को इंग्लैंड के गस एटकिंसन और स्कॉटलैंड के चार्ली कासेल के साथ जुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। पिछले कुछ समय से चोटों से जूझने के बाद सुंदर ने आखिरकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है। सुंदर उस युवा भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा किया था। टी20 विश्व कप जीत के बाद नियमित खिलाड़ियों का आराम दिए जाने पर 24 वर्षीय सुंदर को टीम में जगह मिली और वह टीम के प्रमुख स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरे। उन्होंने अपनी योग्यता साबित की और उन पर किए गए विश्वास को सही ठहराया। सुंदर ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की अप्रत्याशित हार के दौरान प्रभावित किया। उन्होंने 11 रन देकर दो विकेट चटकाने के लिए 27 रन भी बनाए लेकिन टीम 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 13 रन से हार गई। इस युवा ऑलराउंडर ने भारत की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बाकी बचे चार मैच में छह विकेट चटकाए और भारत को 4-1 से श्रृंखला जिताने में मदद की। तीसरे मैच में 15 रन देकर तीन विकेट चटकाने के लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट (आठ) लेने के लिए सुंदर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। श्रीलंका श्रृंखला के लिए नियमित खिलाड़ियों की वापसी के साथ सुंदर को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला लेकिन उन्होंने इसका फायदा उठाया और सुपर ओवर में भारत की जीत के बाद उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। लॉर्ड्स मेंएटकिंसन ने जेम्स एंडरसन के विदाई अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की। तेज गेंदबाज एटकिंसन ने अपने पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 विकेट चटकाए। उन्होंने दोनों पारियों में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करते हुए पहली पारी में 45 रन देकर सात विकेट चटकाए जिससे मेहमान टीम सिर्फ 121 रन पर सिमट गई। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में भी 61 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे इंग्लैंड ने पारी और 114 रन से जीत दर्ज की। कासेल ने डुंडी में ओमान के खिलाफ अपने एकदिवसीय पदार्पण में सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने 21 रन देकर सात विकेट चटकाए और एकदिवसीय पदार्पण में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का कागिसो रबाडा (16 रन पर छह विकेट) का नौ साल पुराने रिकॉर्ड तोड़ा। कासेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहली दो गेंद पर दो विकेट चटकाए। यह तेज गेंदबाज 18वें ओवर तक पांच विकेट चटका चुका था।

माटी कला समाज राष्ट्रहित में काम करने के लिए सदैव तत्पर- मुख्यमंत्री

माटी कला बोर्ड की बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा में मुख्यमंत्री ने कलाकारों की सराहना की

जयपुर, 6 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि माटी कला समाज के लोग सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्रहित में काम करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। इस समाज के लोगों को प्रजापत की संज्ञा दी जाती है क्योंकि वे मिट्टी को अपने हुनर के माध्यम से मूर्तरूप प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तेज, संतुलित एवं समावेशी बनाने के लिए कला एवं कलाकारों को लगातार प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट घोषणाओं के लिए आयोजित धन्यवाद सभा में माटी कला बोर्ड के प्रतिनिधिमण्डल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले ही बजट में हर क्षेत्र और हर वर्ग की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश की है। बजट को लेकर पूरे प्रदेश में चर्चा है तथा प्रदेशवासियों की खुशहाली में ही हमारे जन सेवा के कार्यों की सार्थकता निहित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार माटी कला से जुड़े कलाकारों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य

- **माटी कला बोर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को मिट्टी के बर्तन और किन्नू का पौधा भेंट किया।**

सरकार द्वारा 5 करोड़ रुपये की लागत से माटी कला सेंटर ऑफ एक्सलैंस की स्थापना, माटी कलाकारों को एक हजार इलेक्ट्रिक चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनें, हैण्डलूम, हैंडीक्राफ्ट एवं मीडियम एण्ड स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज़ (एम.एस.एम.ई.) सेक्टर के 50 क्लस्टर अगले तीन साल में विकसित करने जैसे निर्णय लिये गए हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि राज्य के प्रत्येक जिले को एक्सपोर्ट हब बनाया जाएगा, इसके लिए राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रॉडक्ट पॉलिसी 2024 लाई जाएगी।

शर्मा ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 18 व्यवसायों के दस्तकारों को 5 प्रतिशत की दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार ऐसे ऋणों पर 2 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज अनुदान देगी। उन्होंने कहा कि रोजगार व निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एम.एस.एम.ई. पॉलिसी-2024 लायी जाएगी। हमारी सरकार ने उद्यिमयों को

माटी कला को बजट घोषणाओं में विशेष प्रोत्साहन देने के लिए प्रजापत समाज ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को माला पहनाकर धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर आयोजित सभा में कहा कि राज्य सरकार दस्तकारों की कला को प्रोत्साहन देने के लिए अगले तीन साल में 50 क्लस्टर विकसित करने जा रही है।

देश-विदेश में अपने उत्पादों की बिक्री में आवश्यक मदद देने के लिए 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि इन सभी योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमें अपने नागरिक कर्तव्यों को निभाते हुए आस-पड़ोस में रह रहे प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया गया। शर्मा ने सभी लोगों का आ ान किया कि पर्यावरण संरक्षण में अपनी महती भूमिका निभाते हुए इस अभियान का हिस्सा बनें तथा पेड़ लगाने के साथ उनकी देखभाल भी करें।

इस अवसर पर माटी कला बोर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का बजटीय घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बोर्ड के पदाधिकारियों ने शर्मा को माटी के बर्तन तथा किन्नू का पौधा भेंट किया। इस अवसर पर श्री यादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

विनेश फोगाट ओलंपिक फाइनल में

पैरिस, 6 अगस्त (वार्ता)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगट ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल मुकाबलों में लगातार शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए क्यूबा की युसनेलिस गुजमान लोपेज को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है।

इस जीत के साथ विनेश ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गईं। 29 वर्षीय विनेश ने पेरिस ओलंपिक में पदक पक्का कर लिया है। यह ग्रीष्मकाली खेलों में उनका पहला पदक होगा।

सेमीफाइनल में विनेश ने पहले पीरियड में पैसिविटी के जरिए 1-0 की बढ़त ली। दूसरे पीरियड में वह और अधिक आक्रामक नज़र आईं और अपनी बढ़त को 5-0 करते हुए मुकाबला जीत लिया।

इससे पहले फोगट ने क्वार्टरफाइनल मैच में यूक्रेन की ओक्साना लिवाच को 7-5 हराया।

- **विनेश ने क्वार्टर फाइनल में विश्व चैम्पियन और सेमीफाइनल में क्यूबा की पहलवान को हराया है। अब उनका रजत पदक पक्का हो गया है। विनेश फाइनल में पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान है।**

फोगाट ने मैच के पहले पीरियड में 2-0 की बढ़त ले ली। दूसरे पीरियड में लिवाच ने मजबूत वापसी की लेकिन फोगाट ने अपनी चुनौती बरकरार रखी और यूक्रेनी पहलवान को हरा दिया। इससे पहले फोगाट ने प्री-क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन जापान की युई सुसाकी को हराया था।

राहुल गांधी से संसद में किसान नेताओं ने मुलाकात की

नयी दिल्ली, 6 अगस्त (वार्ता) लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से किसानों के एक प्रतिनिधिनि मंडल ने मंगलवार को यहां संसद भवन परिसर में उनके कार्यालय में मुलाकात की और अपनी समस्याएं संसद में उठाने का आग्रह किया।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्री गांधी से मिलने गये किसानों के प्रतिनिधि मंडल में संयुक्त किसान मोर्चा के नेता शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल में देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 11 किसान नेताओं ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष से मुलाकात की।

गांधी से मिलने वाले किसान नेताओं में योगेंद्र यादव, बलबीर सिंह, सुनीलम, दर्शन पाल, सत्यावन, हन्नान मोल्लाह, रंजन रामचंद्र शामिल थे।

बांग्लादेश में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तथा सीमा की स्थिति पर चर्चा की।

पाकिस्तान, चीन और अमेरिका इस स्थिति का लाभ उठाने की फिराक में हैं। ढ़ाका में स्थिति बिगड़ने के चंद रोज पहले ही 22 सीनेटर्स ने पत्र लिखा था और शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने तथा उनके स्थान पर किसी वैकल्पिक शासन व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया था। लेकिन जहाँ बहुत सारे लोग बहुत सारी बातें कह रहे हैं, वहीं मुख्य मुद्दा यह है कि शेख हसीना तानाशाह बन गई थी, उन्होंने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था और सत्ता में बने रहने के लिये उन्होंने जो जरूरी समझा वो सब किया। जिस तरह से जनता से निपटने के मामले में उन्होंने अहंकार और अक्खड़पन से काम लिया, उससे भारत सरकार को भी सबक लेना चाहिए। बाँग्लादेश में, विद्यार्थियों ने सैन्य-शासन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। उनकी माँग बाँग्लादेश की संसद को भंग किये जाने की थी, और संसद भंग हो गई है।

इस समय जबरदस्त माँग मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में सरकार बनाये जाने की है। यूनुस एक अर्थशास्त्री तथा नोबल लॉरिएट भद्र पुरुष हैं तथा बाँग्लादेश में उनका काफी सम्मान है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि वे सरकार का नेतृत्व करने के लिये राजी होंगे या नहीं। लेकिन हाँ, वे अगली सरकार, जिसके अन्तरिम सरकार होने की सम्भावना है, के सलाहकार बनने के लिये सहमत हो गये हैं।

आरक्षण कोटे में कोटा के मसले पर कांग्रेस नेताओं की बैठक

नई दिल्ली, 6 अगस्त। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस कोटे में कोटा पर आगामी दिनों में बड़ा कुछ करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी के मद्देनजर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मंगलवार की शाम पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर लंबी बैठक की। बैठक के बाद पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले, जिसमें एस.सी/एस.सी. कैटगरी का उप वर्गीकरण करने को मंजूरी दी गई है, पर पार्टी नेताओं ने डेढ़ घंटे तक चर्चा की है। जयराम रमेश ने कहा, ''मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के अलावा कांग्रेस के कुछ सांसद और नेता मौजूद थे। इस बैठक का विषय सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला था।'' जयराम रमेश ने कहा कि एससी/एसटी आरक्षण और कोटा के अंदर कोटा के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष अगले कुछ दिनों में कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों से भी बातचीत करेंगे, उसके बाद इस पर आगे की रणनीति पर फैसला लिया जाएगा।

राहुल गांधी ने विदेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष द्वारा बिना शर्त समर्थन दिए जाने की सराहना की। उन्होंने लिखा कि संसद में सर्वदलीय मीटिंग में सरकार बांग्लादेश घटनाक्रम की जानकारी दी, विपक्ष के पूर्ण समर्थन और हालात के प्रति समझ की हम सराहना करते हैं।

मीटिंग में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। केन्द्र ने सभी दलों के सांसदों को बांग्लादेश के घटनाक्रम की पृष्ठभूमि और की जानकारी दी और बताया कि क्यों हालात ऐसे हुए। उन्होंने यह भी बताया कि हसीना को इसलिए भारत आना पड़ा क्योंकि उनके आवास पर विद्रोहियों ने धावा बोल दिया था।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने बताया कि बांग्लादेश में लगभग बीस हजार भारतीय फंसे हुए हैं तथा आठ हजार को वहां से निकाल लिया गया है। ढाका में भारतीय उच्चायोग काम कर रहा है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है।

जयशंकर ने संकेत दिया है कि भारत सरकार ने हसीना को अगला कदम उठाने के लिए समय दिया है और कहा कि उनके फैसले को समर्थन देने के लिए भारत तैयार है।

कई अन्य खबरों से पता चला है कि शेख हसीना यू.के. में शरण लेना चाहती हैं पर अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अभी वे भारतीय वायुसेना व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सुरक्षा में हिंडोन एयरबेस में हैं।

केन्द्र ने सर्वदलीय बैठक में बताया कि हसीना भारत की मित्र हैं और सरकार उन्हें अगला कदम उठाने के बारे में फैसला करने का समय देना चाहती है।

सरकार ने यह भी बताया कि भारत सरकार बांग्लादेश की सेना के सम्पर्क में भी है, जिसने आतंरिक सरकार के गठन की घोषणा की है। सरकार ने विपक्षी दलों को बताया हालात पर पूरी नज़र है और सही समय पर सही कदम उठाया जाएगा।

कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदम्बरम ने कहा कि भारत की मुख्य चिंता बांग्लादेश में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षा और सीमा पर हालात के लिए है। जब उनसे पूछा गया कि सरकार हालात से जैसे निपट रही है क्या उससे विपक्ष संतुष्ट है तो कार्ति ने कहा विदेश मंत्री ने विपक्षी दलों को सारी जानकारी दी यह स्वागत योग्य कदम है और राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर हम सरकार के साथ हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू को फ़िज़ी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

सुवा 6 अगस्त (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दक्षिण प्रशांत महासागरीय द्वीप देश फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से नवाजा गया है। मुर्मु फिजी की सरकारी यात्रा पर यहां पहुंची है। वह यहां की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं।

राजधानी सुवा के स्टेट हाउस में सोमवार को आयोजित समारोह में फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली काटोनिवेरे ने सुश्री यह पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। उन्होंने फिजी की संसद को भी संबोधित किया और सांसदों से बातचीत की। सुश्री मुर्मु ने अपने संबोधन में इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि लोकतंत्र, बहुलवाद और विविधता के साझा मूल्य किस तरह दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। उन्होंने कहा , भौगोलिक आकार में भारी अंतर के बावजूद भारत और फिजी दोनों में बहुत कुछ समान है, जिसमें हमारे जीवंत लोकतंत्र, हमारे समाजों की विविधता हमारा पंथ कि सभी मनुष्य समान हैं।

कानून मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने अवॉर्ड भी दिया है। विपक्ष के आरोप निराधार हैं। पटेल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने यह मुद्दा नियमों के तहत नहीं उठाया। उन्हें पता था कि मेरे बेटे की ए.ए.जी. के पद पर नियुक्ति नियमों और योग्यता के कारण मिली है, इसलिए लिखित में इसे मुद्दा नहीं बनाया। वकीलों के सीआरपीसी में नियुक्ति करने का मामला ही उठाया। इनकी नियुक्ति पर कोर्ट के आदेश और केन्द्र सरकार के निर्देशों में स्थिति स्पष्ट हो गई है। विपक्ष का मकसद बिना किसी तथ्य और मुद्दे के केवल हंगामा करना और सदन की कार्यवाही में गतिरोध पैदा करना भर था।

आरक्षण विरोधी आंदोलन अब इस्लामिक व भारत विरोधी ''मूवमैंट'' में तब्दील हुआ

और, यह भी सच है कि अब सेना ने इस्लामिक तत्वों से हाथ मिला लिये हैं तथा हिन्दू जनता निहत्थी, बैरंग सी, असहाय ही खड़ी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। बांग्लादेश में सेना प्रमुख ने हालांकि मौजूदा स्थिति को पूरी तरह से संभालने का आश्वासन दिया है, पर उसके बावजूद भी यह देश घोर अराजकता व अव्यवस्था में फंस गया है। बांग्लादेश अब कट्टरपंथी इस्लामी राष्ट्र बन गया है जो पूरी तरह से भारत विरोधी है।

बांग्लादेश में 300 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और कुछ को तो भीड़ ने ज़िंदा जला दिया था। सुधारवादी आंदोलन ने तालिबानी संगठन का रूप ले लिया है। बांग्लादेश के संस्थापक बंग बंधू मुजीबुर रहमान की मूर्तियां तोड़ दी गई हैं इसका सिरहन पूरे विश्व खासकर भारत में महसूस की जा रही है।

न्यूयॉर्क व वॉशिंगटन में बांग्लादेश दूतावास से भी शेख मुजीबुर की फोटो हटाने की मांग की गई है। ऐसा समझा जाता है कि शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद सेना पूरी तरह से कट्टरपंथियों के साथ हो गई है। जानकार सूत्रों ने कहा कि सेना वे कट्टरपंथी मिल गए हैं।

नौकरी में आरक्षण समाप्त करने के मुद्दे पर शुरु हुए आंदोलन पर जमात-ए-इस्लामी ने कब्जा कर लिया है और वे ही दंगे कर रहे हैं। भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल शंकर राय चौधरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि अभी तक बांग्लादेश की सेना मित्र इकाई थी, पर अब वह शत्रु के साथ है।

बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं व हिंदू संस्थानों पर हमले हो रहे है। पुलिस व सेना उन्हें बचाने के लिए कुछ नहीं कर

- **रूढ़ीवादी इस्लामिक ताकतों का प्रकोप व कहर देखकर, अब महसूस हो रहा है, किस हिम्मत से शेख हसीना दृढ़ खड़ी थीं, इन साम्प्रदायिक ताकतों से हिन्दू नागरिकों की सुरक्षा के लिये।**
- **बांग्लादेश के वॉशिंगटन व न्यूयॉर्क दुतावासों में शेख मुजिबुर रहमान की फोटो को ज्यादा प्रमुखता नहीं देने के आदेश दिये जा चुके हैं।**
- **भारत के खिलाफ घृणा व गुस्सा इतना जबरदस्त है कि एक फिल्म प्रोड्यूसर व निर्देशक को दंगाईयों ने पीछा करके पकड़ लिया तथा फ्लाईओवर पर मार दिया व शवों को जला दिया। इन फिल्म हस्तियों का जुर्म यह था कि उन्होंने एक लोकप्रिय बंगाली एक्टर देब के साथ एक फिल्म बनाई थी।**

रही है।

बांग्लादेश से जो तस्वीरें मिल रही है उनमें दिख रहा है कि कैसे लोगों को बिजली के खंभों और फ्लाइओवर से लटकाया जा रहा है। बांग्लादेश सोसायटी हिंसा की घटनाओं को दबा रही है।

दुर्भाग्यवश बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है उसका पहला निशाना भारत और हिंदू आबादी है। हिंदूओं का जीवन खतरे में है। शेख हसीना के जाने के बाद पता लग रहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण थी।

हिंदूओं के घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट हो रही है उनकी दुकानों व अन्य संस्थाओं, मंदिरों को जलाया जा रहा है।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बांग्लादेश के घटनाक्रम की जानकारी दी। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि हिंदुओं के मंदिरों पर हमले हो रहे है।

भारत के खिलाफ नफरत कितनी ज्यादा है। इसका पता इसी से चलता है कि एक फिल्म प्रोड्यूसर ने बंगाली अभिनेता देब के साथ फिल्म बनाई थी, इसलिए भीड़ ने उसे पीट-पीट कर मार डाला।

बहुत सारे लोग खतरनाक हमलावर लोगों से जान बचाने की कोशिश में अन्य स्थानों पर शरण ले रहे हैं तथा सीमा पार कर लोगों के भारत में आने की संभावना है।

बड़ी संख्या में हत्याएं तथा अंग-भंग करने की घटनाएं हो रही है। सेना द्वारा जिम्मेदारी संभाल लिये जाने के बावजूद, पुलिसकर्मी मारे जा रहे हैं तथा पुलिस थाने लूटे जा रहे हैं। पुलिस के करीब 40 जवान मार दिये गये हैं तथा उनकी लाशें फ्लाइ ओवरों से सिर के बल नीचे गिरा दी गई हैं।

नूरूल हक जैसे छात्र-नेताओं ने आरक्षण समाप्त कराने का आंदोलन चलाया था। लेकिन अब ये छात्र नेता अब पीछे धकेल दिये गये हैं तथा आंदोलन पर अब इस्लामिक कट्टरपंथियों का कब्जा हो गया है तथा ये कट्टरपंथी चीन और पाकिस्तान के प्रभाव से निर्देशित हो रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि इस आंदोलन को आरक्षण समाप्त करने से पूरी तरह अराजकता की स्थिति तक पहुँचाने के पीछे साफ तौर पर चीन और पाकिस्तान हैं।

भारत सरकार को अत्यधिक सतर्क रहना होगा तथा बांग्लादेश के एक कट्टरपंथी देश बनने की संभावनाओं के प्रति सचेत रहना होगा। भारत सरकार के समक्ष ऐसी ही स्थिति एक बार पहले भी आ चुकी है। काफी पहले, जब पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया सत्ता में थीं, हिन्दुओं पर ऐसे ही हमले हुये थे। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बांग्लादेश सरकार के पास एक औपचारिक संदेश भेजा था।

वाजपेयी ने चेतावनी दी थी कि अगर इस प्रकार के अत्याचार और उत्पीड़न के खिलाफ तत्काल कदम नहीं उठायेंगे तो भारत सरकार गंभीर कदम उठायेगी।

उस समय वाजपेयी की चेतावनी कारगर रही थी। क्या केंद्र सरकार उसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिये अब उसी प्रकार की कार्यवाही करेगी।

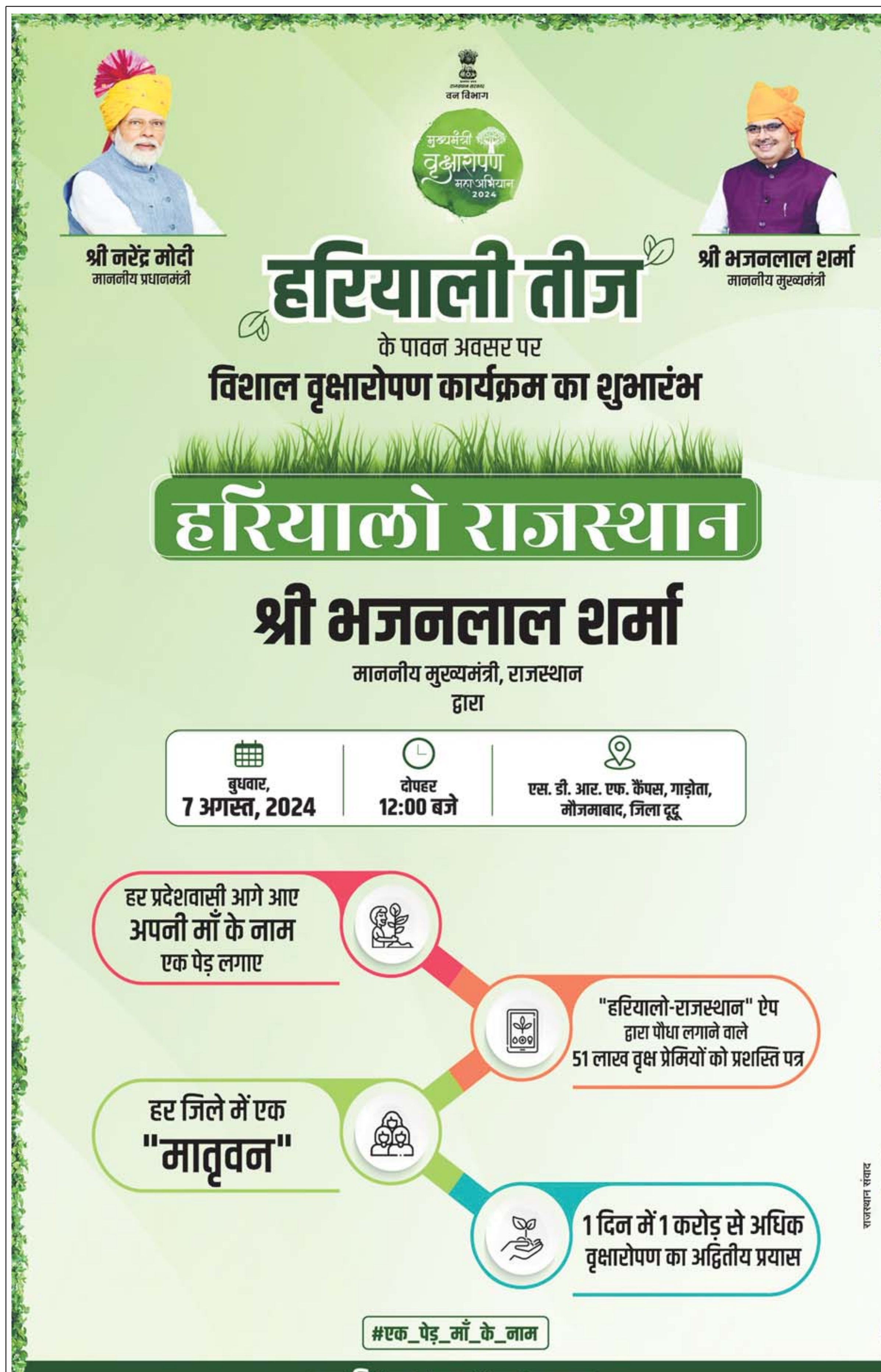

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908